twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com | Editor: Rajesh Chauhan
RNI No. DELHI/2013/54397

DD
दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | रविवार, 15 जून, 2025 | वर्ष: 12 अंक: 212, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली: अनधिकृत कॉलोनियों को मिलेगा मालिकाना हक, सर्किल रेट में होगा बदलाव

नई दिल्ली

दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वालों को मालिकाना हक मिलेगा, संपत्तियों के सर्किल रेट में बदलाव किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को सचिवालय में टास्क फोर्स की बैठक में ये एलान किया है। दिल्ली सरकार ने अनधिकृत कॉलोनियों के विकास के साथ व्यापार करने के तौर तरीकों को बेहद सरल बनाने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री ने अनधिकृत कॉलोनियों में विकास तेज करने और वहां रहने वालों को मालिकाना हक देने के लिए डीडीए और शहरी विकास विभाग को इस पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया है। साथ ही, सर्किल रेट में अनियमितताओं को दूर करने के लिए डिविजनल कमिश्नर की अगुवाई में एक समिति बनाने के निर्देश दिये हैं, जो बाजार के हिसाब से नई दरें तय करेगी। इस बैठक में दिल्ली के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, डीडीए, एमसीडी, डीएमआरसी और उद्योग प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इसमें अनधिकृत कॉलोनियों, सर्किल रेट, व्यापार सुगमता और ग्रीन बिल्डिंग नीति जैसे मुद्दों पर गहन चर्चा हुई।

व्यावसायिक-रिहायशी भूखंड जोड़ने पर कम होगा शुल्क

मुख्यमंत्री ने दिल्ली में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए टास्क फोर्स को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिये हैं। इसमें सिंगल विंडो क्लीयरेंस, समयबद्ध प्रोजेक्ट मंजूरी और मानकीकृत नियम लागू करने जैसे सुझावों पर चर्चा हुई। व्यावसायिक और रिहायशी भूखंडों को जोड़ने के लिए सरकारी शुल्क को कम करने पर भी सहमति बनी है। इससे उद्यमियों, व्यवसायियों और स्टार्टअप के लिए भूखंड जोड़ना सस्ता और निर्माण करना आसान होगा। व्यापार और आवासीय प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा मिलेगा। दिल्ली में विकास की गति तेज होगी।

रिहायशी इलाकों में भी लागू होगी ग्रीन बिल्डिंग नीति

इस बैठक में पर्यावरण को प्राथमिकता देते हुए ग्रीन बिल्डिंग नीति को रिहायशी इलाकों तक विस्तार देने का फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री ने टास्क फोर्स को इस नीति को और प्रभावी बनाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने को कहा है। इसके अलावा, स्लम पुनर्विकास के लिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को बढ़ावा देने, संपत्ति कर को तर्कसंगत बनाने और डीएमआरसी की जमीन का बेहतर उपयोग करने जैसे विषयों पर भी गंभीरता से चर्चा हुई है।

विमान हादसा: तीन महीने में आएगी जांच रिपोर्ट

अब तक 270 की मौत, 9 शवों की हुई पहचान; मानकों के आधार पर एक लिखित निर्देश जारी

नई दिल्ली

अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में मौत की संख्या 270 पहुंच चुकी है। केंद्र सरकार ने हादसे के कारण की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति के गठन का एलान किया है, जिसकी अध्यक्षता गृह सचिव करेंगे। जानकारी के मुताबिक, अब तक 9 शवों की पहचान हो चुकी है। समिति तीन महीने में अपनी रिपोर्ट देगी। समिति सिर्फ एआइ-171 विमान हादसे की जांच ही नहीं करेगी बल्कि भविष्य में इस तरह की दूसरी दुर्घटना ना हो और भारतीय नागरिक उड्डयन सेक्टर को किस तरह से ज्यादा सुरक्षित बनाया जाए, इसके लिए भी सिफारिश करेगी। समिति घरेलू विमानन कंपनियों के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी तय करेगी और भारत सरकार इन मानकों के आधार पर एक लिखित निर्देश जारी करेगी जो एक तरह से भारतीय उड्डयन सेक्टर को सुरक्षित बनाने का रोडमैप होगा।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने हादसे को लेकर क्या कहा?

दरअसल, हादसे की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। विमान हादसे को लेकर शनिवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा ने पूरी घटना का विवरण साझा किया है।

समीर कुमार सिन्हा के मुताबिक, इस विमान ने 1:39 बजे रनवे से उड़ान भरी। 650 फीट के बाद विमान में कुछ खराबी आ गई और विमान ऊंचाई नहीं पकड़ पाया।

शनिवार सुबह घटना स्थल से मिला एक शव

अतिरिक्त मुख्य अग्निशमन अधिकारी जयेश खड़िया ने बताया कि दुर्घटना स्थल पर फोरेंसिक और विमानन विशेषज्ञों की जांच में अग्निशमन कर्मी मदद कर रहे हैं। उन्हें शुक्रवार को कैंटीन के मलबे से कुछ शरीर के अंग मिले, जबकि शनिवार सुबह एक शव मिला है।

टेल फिन को नीचे उतारने के लिए क्रेन की ली जाएगी मदद

विमान का टेल फिन कैंटीन की क्षतिग्रस्त इमारत के ऊपर अटका है, जिसे नीचे लाने के लिए क्रेन की मदद ली जा रही है।

हर संभव मदद देंगे, हर कोशिश में जुटे हैं: एयर इंडिया

एअर इंडिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर कैंपबेल विल्सन ने एक वीडियो संदेश में कहा, "हम तुरंत आर्थिक सहायता के लिए मृतकों के परिवारों और बचे हुए लोगों को 25 लाख रुपये, यानी करीब 21,000 ब्रिटिश पाउंड, की अंतरिम मदद देंगे।" उन्होंने बताया कि यह राशि टाटा संस की ओर से पहले घोषित 1 करोड़ रुपये (लगभग 85,000 ब्रिटिश पाउंड) के अतिरिक्त है। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने गुरुवार को कहा था कि समूह इस हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 1 करोड़ रुपये की मदद देगा। यह कदम पीड़ित परिवारों के लिए बड़ा सहारा साबित होगा। कैंपबेल ने बताया कि 200 से ज्यादा प्रशिक्षित सहायक कर्मचारी पीड़ित परिवारों की मदद के लिए तैनात किए गए हैं। हरेक परिवार को एक समर्पित सहायक नियुक्त किया गया है। ये सहायक काउंसलिंग और अन्य सेवाएं मुहैया करेगा।

उन्होंने कहा, "हमारी टीमें परिवारों और अधिकारियों के साथ मिलकर अपनों को उनके परिजनों और निजी सामान से मिलाने की प्रक्रिया में जुटी हैं।" एअर इंडिया ने यह भी कहा है कि बोइंग 787 विमानों की सुरक्षा जांच डीजीसीए के निर्देशानुसार पूरी की जाए। कैंपबेल ने कहा, "हम नियामक की ओर से तय समयसीमा में सभी जांच पूरी करेंगे।" सिविल अस्पताल के अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रजनीश पटेल ने बताया कि अब तक 11 मृतकों के डीएनए नमूने मेल खा चुके हैं। मृतकों में से एक का पार्थिव शरीर परिवार को सौंप दिया गया है। उन्होंने बताया कि आज दो और शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि डीएनए जांच एक धीमी प्रक्रिया है और इसे सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए।

एक अधिकारी ने बताया कि पीड़ित परिवारों को मानसिक आघात से निपटने के लिए काउंसलिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही।

एअर इंडिया देगा मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये

मुंबई

अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर एअर इंडिया ने शनिवार को एलान किया कि मृतकों के परिवारों को 25 लाख रुपये की अंतरिम आर्थिक मदद दी जाएगी। यह राशि टाटा संस की ओर से पहले से घोषित 1 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि के अतिरिक्त होगी। यह हादसा गुरुवार को अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हुआ। इस हादसे में कम से कम 270 लोगों की जान चली गई। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने गुरुवार को कहा था कि समूह इस हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 1 करोड़ रुपये की मदद देगा।

यह कदम पीड़ित परिवारों के लिए बड़ा सहारा साबित होगा। कैंपबेल ने बताया कि 200 से ज्यादा प्रशिक्षित सहायक कर्मचारी पीड़ित परिवारों की मदद के लिए तैनात किए गए हैं। हरेक परिवार को एक समर्पित सहायक नियुक्त किया गया है। ये सहायक काउंसलिंग और अन्य सेवाएं मुहैया करेगा।

उन्होंने कहा, "हमारी टीमें परिवारों और अधिकारियों के साथ मिलकर अपनों को उनके परिजनों और निजी सामान से मिलाने की प्रक्रिया में जुटी हैं।" एअर इंडिया ने यह भी कहा है कि बोइंग 787 विमानों की सुरक्षा जांच डीजीसीए के निर्देशानुसार पूरी की जाए। कैंपबेल ने कहा, "हम नियामक की ओर से तय समयसीमा में सभी जांच पूरी करेंगे।"

नीट-यूजी मेडिकल प्रवेश परीक्षा के नतीजे घोषित, राजस्थान के महेश कुमार शीर्ष पर

नई दिल्ली

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) यूजी 2025 के नतीजे घोषित कर दिए हैं। राजस्थान के महेश कुमार ने अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम रैंक प्राप्त की है। एनटीए ने 4 मई को 552 भारतीय शहरों और दुबई, दोहा, सिंगापुर और काठमांडू सहित 14 अंतरराष्ट्रीय स्थानों में 5,468 केंद्रों पर नीट यूजी 2025 की परीक्षा आयोजित की थी। इस साल मेडिकल प्रवेश परीक्षा में 22,09,318 उम्मीदवारों ने भाग लिया। एनटीए के अनुसार इस वर्ष 12.36 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के लिए अर्हता प्राप्त की है। इसमें 5,14,063 पुरुष, 7,22,462 महिला और 6 थर्ड जेंडर सहित कुल 12,36,531 उम्मीदवार हैं। राजस्थान के महेश कुमार ने 99.99 प्रतिशत अंक के साथ अखिल भारतीय रैंक (एआईआर) 1 हासिल की है। उसके बाद मध्य प्रदेश के उत्कर्ष अवधिया दूसरे और महाराष्ट्र के कृषांग जोशी तीसरे स्थान पर रहे हैं। दिल्ली के मृणाल किशोर झा चौथे स्थान पर हैं। शीर्ष 10 रैंक में दिल्ली, गुजरात, पंजाब और महाराष्ट्र के सामान्य श्रेणी के छात्रों का दबदबा रहा। दिल्ली की अविका अग्रवाल महिला टॉपर हैं। उन्होंने अखिल भारतीय स्तर पर पांचवीं रैंक प्राप्त की है। अधिकतम अर्हता प्राप्त अभ्यर्थी (1,70,684) उत्तर प्रदेश से हैं, उसके बाद महाराष्ट्र (1,25,727) का स्थान है। तीसरा स्थान राजस्थान (1,19,865) का है। परीक्षा में महिलाओं की भागीदारी में लगातार वृद्धि जारी रही है। इस वर्ष 13,10,062 महिला उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था।

बालाघाट के जंगल में तीन महिलाओं समेत चार नक्सली ढेर

बालाघाट

मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में पुलिस और हॉक फोर्स ने चार नक्सली को मार गिराया। इनमें तीन महिला और एक पुरुष शामिल हैं। यह कार्रवाई शनिवार को नक्सल प्रभावित बिठली पुलिस चौकी क्षेत्र के पचामा दादर के घने जंगल में हुई। पुलिस और हॉक फोर्स की संयुक्त टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। नक्सलियों और पुलिस की मुठभेड़ के बाद क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। नक्सलियों के पास से भारी मात्रा में गोला बारूद बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को खुफिया जानकारी मिली कि पचामा दादर के घने जंगलों में नक्सली अपनी गतिविधों को अंजाम दे रहे हैं। सूचना पर सुरक्षाबलों ने क्षेत्र को घेरकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षाबलों ने भी फायरिंग की। इस कार्रवाई में चार नक्सली ढेर हो गए।

मारे गए नक्सलियों के पास से ग्रेनेड लॉन्चर, एसएलआर, चार रायफल सहित अन्य हथियार और सामग्री बरामद हुई है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि मारे गए सभी नक्सली जीआरबी (गोंदिया-राजनांदगांव-बालाघाट) डिवीजन से जुड़े थे।

जंगल में सर्च अभियान जारी

बालाघाट एसपी आदित्य मिश्रा ने बताया कि मुठभेड़ के बाद जंगल में सर्ज ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जंगल में अन्य नक्सलियों के भी होने की आशंका है, करीब 25 टीमें तलाशी अभियान में लगी हुई हैं।

मिशन 2026 के तहत बड़ी सफलता

हाल ही में बालाघाट के नए पुलिस अधीक्षक का पदभार संभालने वाले आदित्य मिश्रा ने मिशन 2026 के तहत नक्सलियों के खात्मे को अपनी प्राथमिकता बताया था। पदभार ग्रहण के एक सप्ताह के भीतर ही इस बड़ी कार्रवाई को उनकी सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

भारत ने इस्राइल-ईरान टकराव पर एससीओ के बयान से किनारा किया

नई दिल्ली

भारत ने इस्राइल और ईरान के टकराव पर एससीओ के बयान से किनारा कर लिया है। शनिवार को विदेश मंत्रालय ने कहा, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ने इस्राइल और ईरान के बीच हाल के घटनाक्रम पर एक बयान जारी किया है। भारत ने एससीओ के बयान से जुड़ी उपर्युक्त चर्चा में भाग नहीं लिया। ईरान पर किए गए इस्राइली हमलों की निंदा करने वाले बयान से खुद को अलग करते हुए भारत ने स्पष्ट किया कि उसने उन चर्चाओं में भाग ही नहीं लिया जिसके बाद एससीओ की निंदा करने वाली टिप्पणियां सामने आईं।

भारत ने स्पष्ट की अपनी स्थिति

विदेश मंत्रालय ने कहा, इस्राइल-ईरान तनाव पर भारत का रुख स्वतंत्र है। पहली बार 13 जून को जारी बयान में इसे बताया जा चुका है। दोनों देशों के बीच शांति और बातचीत का आह्वान करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा, तनाव कम करने के लिए बातचीत और कूटनीति के रास्तों का उपयोग किया जाना चाहिए। यह जरूरी है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय उस दिशा में प्रयास करे।

नौ परमाणु वैज्ञानिकों को मार गिराने का दावा

बता दें कि इस्राइल ने ईरान के नौ परमाणु वैज्ञानिकों को मार गिराने का दावा किया है। इस्राइल डिफेंस फोर्स (क्ळ्क्र) ने मृतकों की सूची भी जारी की है। इसके अलावा एक वीडियो जारी कर इस्राइल ने ये समझाया है कि परमाणु वैज्ञानिकों को मार गिराने के लिए ईरान में किन ठिकानों को निशाना बनाया गया है।

आईडीएफ ने कहा है कि एक साथ हुए हमलों में 9 ईरानी परमाणु वैज्ञानिक मारे गए हैं।

24 घंटे में कोरोना के 269 नए मरीज मिले, देश में अब तक 87 जानें गईं

नई दिल्ली

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 269 नए केस सामने आए हैं। शनिवार सुबह 8 बजे तक देशभर में कोरोना के 7400 एक्टिव मामले हैं। वहीं मौत का आंकड़ा बढ़कर 87 हो गया। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 25 मौतें हुई हैं। शुक्रवार को राजस्थान और केरल में दो लोगों की कोरोना से मौत हो गई।

राजस्थान में 70 साल की महिला और केरल में 82 साल के बुजुर्ग ने सांस लेने में तकलीफ के चलते दम तोड़ दिया।

राजस्थान में यह कोरोना से इस साल में यह दूसरी मौत है, जबकि केरल में जनवरी से अब तक 23 लोगों की जान गई है।

केरल में इस वक्त देश के सबसे ज्यादा 2109 कोविड मरीज हैं। हालांकि, गुरुवार तक 2165 एक्टिव केस थे।

राजस्थान: राजस्थान में शुक्रवार को कोरोना के 34 नए मरीज मिले।

उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज के अटैच हॉस्पिटल में भर्ती 70 साल की बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। महिला को सांस लेने में तकलीफ के कारण भर्ती कराया गया था। जांच में महिला की कोरोना रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। इससे पहले जयपुर में पिछले महीने एक मरीज की मौत हुई थी।

हिमालयी इलाकों में लू कहर, दिल्ली-एनसीआर में उमस भरी गर्मी

नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में गर्मी का कहर जारी है। शुक्रवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 31 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले 2 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र सहित उत्तर-पश्चिम भारत में लू से लेकर भीषण लू की स्थिति जारी रहने और उसके बाद कम होने की संभावना है। इस दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 2 - 4 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहेगा। दोपहर में प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटे हो जाएगी। शनिवार को दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

सीएम नायब सिंह सैनी की सादगी के कायल हुए ग्रामीण

चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने फतेहाबाद के गांव गोरखपुर से लुधियाना (पंजाब) जाते समय अनेक गांवों में काफिला रुकवाकर ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। अचानक अपने बीच मुख्यमंत्री को देखकर ग्रामीण उत्साहित नजर आए। ग्रामीण उनके सौम्य स्वभाव व सादगी के कायल हो गए। मुख्यमंत्री ने लोगों का हाल चाल जाना और युवाओं ने उनके साथ सेल्फी भी ली।

श्री नायब सिंह सैनी ने अपना काफिला गांव जांडली खुर्द, चंद्रावल, भुना, लहरिया, टिब्बी, कुला, जाखल में रूकवा कर ग्रामीणों का कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री ने आम आदमी की तरह ग्रामीणों के बीच खड़े होकर बातचीत की। लोगों का कहना था कि इस प्रकार मुख्यमंत्री का सादगी और अपनेपन के भाव के साथ उनसे मिलना उनके मिलनसार व्यक्तित्व की झलक दिखाता है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सुबह 10 बजे रेवाड़ी जिले के फिदेरी गांव में नवनिर्मित अत्याधुनिक जेल परिसर का उद्घाटन करेंगे। यह 95 करोड़ रुपये की लागत से बनाई गई है और लगभग 50 एकड़ क्षेत्र में है। गृह, जेल, आपराधिक जांच एवं न्याय प्रशासन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि नया जेल परिसर रेवाड़ी में जेल बुनियादी ढांचे की लंबे समय से चली आ रही कमी को पूरा करेगा। अब तक जिले में केवल 65 कैदियों की क्षमता वाली एक छोटी जेल थी, जिसके कारण 700 से अधिक कैदियों को गुरुग्राम, नारनौल और झज्जर की सुविधाओं में स्थानांतरित किया गया था। नई जेल को लगभग 1,000 कैदियों को रखने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा क्षेत्र में कैदी प्रबंधन में रसद संबंधी चुनौतियों में कमी आएगी। डॉ. मिश्रा ने बताया कि गंभीर अपराधों में शामिल अपराधियों के लिए रोहतक में उच्च सुरक्षा वाली जेल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है तथा राज्य भर में जेल प्रशासन में पेशेवर मानकों को बढ़ाने के लिए हाल ही में करनाल में जेल कर्मचारियों के लिए अत्याधुनिक प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना की गई है।

उत्तर भारत में भीषण गर्मी को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी, 14 जून से बदलेगा मौसम का मिजाज

एजेंसी

नई दिल्ली । भीषण गर्मी की मार झेल रहे उत्तर भारत में मौसम अब राहत के संकेत दे रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक 13 जून की रात से मौसम का मिजाज बदलने वाला है। हालांकि विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। साथ ही, तेज हवाएं 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

13 जून को अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 31 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा, साथ ही ह्यूमिडिटी भी 67 प्रतिशत तक होगी। इस कारण दिन भर उमस और गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि दिनभर गर्म और आर्द्र मौसम बना रहेगा, लेकिन शाम व रात के समय गरज-चमक के साथ

हालांकि विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना जताई गई है।

बारिश की संभावना रहेगी। 14 जून से मौसम में ठंडक घुलने लगेगी। अधिकतम तापमान घटकर 41 डिग्री और न्यूनतम 29 डिग्री हो जाएगा। 15 जून को यह गिरावट और तेज होगी, जब अधिकतम तापमान 40 और न्यूनतम 28 डिग्री दर्ज किया जाएगा। इन दिनों के लिए 'थंडरस्टॉर्म विद रेन' का पूर्वानुमान है, जिससे मौसम राहत भरा रहेगा। 16 और 17 जून को आसमान में बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 27-28 डिग्री के आसपास रहेगा। इसके साथ ही 18 और 19 जून को भी गरज के साथ बारिश की संभावना बनी रहेगी। इन दोनों दिन न्यूनतम तापमान 26 डिग्री और अधिकतम 37 से 38 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। नमी की मात्रा 80-85 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह बारिश जहां आम लोगों को गर्मी से राहत देगी, वहीं किसानों के लिए भी यह सकारात्मक संकेत है।बारिश से मिट्टी की नमी बढ़ेगी, जिससे खरीफ की बुवाई में मदद मिलेगी। वहीं स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम परिवर्तन के इस दौर में वायरल संक्रमणों से सावधान रहना जरूरी है। हालांकि बारिश राहत लेकर आ रही है, फिर भी आईएमडी ने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है, खासकर 13 जून की रात और 14 जून की सुबह तक, जब तेज हवाएं और बिजली गिरने की आशंका है। इस दौरान खुले में खड़े रहने या पेड़ों के नीचे रुकने से बचने की चेतावनी दी गई है।

भारत की ईरान-इजराइल से संयम बरतने की अपील, दोनों का मित्र होने के नाते सहयोग को तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत हालात पर बारीकी से नजर रखे हुए है, विशेष रूप से परमाणु ठिकानों पर हुए हमलों से जुड़ी खबरों पर। विदेश मंत्रालय ने दोनों पक्षों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार के उकसावे से बचें और स्थिति को और अधिक न बिगाड़ें। भारत ने कहा कि मौजूदा संवाद और कूटनीतिक माध्यमों का उपयोग कर इस संकट को सुलझाने की कोशिश होनी चाहिए। बयान में यह भी कहा गया कि भारत के ईरान और इजराइल दोनों से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। भारत हरसंभव सहयोग देने को तैयार है। सरकार ने बताया कि दोनों देशों में स्थित भारतीय दूतावास अपने-अपने क्षेत्रों में रह रहे भारतीय नागरिकों के संपर्क में हैं। सभी भारतीयों को सलाह दी गई है कि वे सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और स्थानीय सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। इससे पहले इजराइल के प्रधानमंत्री ने बताया कि देश ने राइजिंग लायन नामक एक सैन्य अभियान शुरू किया है। उन्होंने इसे ईरान से पैदा हो रहे खतरे को खत्म करने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाता।

माफिया रिशु श्री और उससे जुड़े लोगों के ठिकानों पर ईडी की रेड

पटना। बिहार के चर्चित माफिया रिशु श्री और उससे जुड़े लोगों के नौ ठिकाने पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की टीमों ने पटना और मुजफ्फरपुर के अलावा पानीपत और सूरत समेत नौ ठिकानों पर बीती रात छापेमारी की है। बिहार में प्रवर्तन निदेशालय ने रिशु श्री और उससे जुड़े नेटवर्क पर गुरुवार की देर रात बड़ी कार्रवाई की। ईडी की टीमों ने बिहार के पटना, मुजफ्फरपुर, गुजरात के सूरत और हरियाणा के पानीपत में एक साथ कुल नौ ठिकानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई में सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव (अंडर सेक्रेट्री) विनोद कुमार सिंह के गोला रोड स्थित आवास समेत पटना के छह अन्य ठिकाने शामिल हैं। रिशु श्री के चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) अविनाश कुमार के मुजफ्फरपुर स्थित आवास पर भी ईडी ने कार्रवाई की है। बिहार में समान्य प्रशासन विभाग में अंडर सेक्रेट्री के पद कार्यरत विनोद कुमार सिंह, रिशु श्री के इशारे पर सामान्य प्रशासन के माध्यम से छोटे कर्मचारियों का ट्रांसफर-पोस्टिंग करवाने का काम किया करता था। माफिया रिशु श्री से जुड़े पटना, पानीपत, सूरत के ट्रेवल एजेंट के ठिकाने पर ईडी की रेड की गई है। रिशु श्री जेल में बंद आईएएस अधिकारी संजीव हंस का बेहद करीबी है। पिछले महीने विशेष निगरानी इकाई ने ईडी की रिपोर्ट पर रिशु श्री एवं अन्य के खिलाफ भी केस दर्ज किया था।

पंजाब के पठानकोट एयर फोर्स के अपाचे हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग

चंडीगढ़। पंजाब के पठानकोट में शुक्रवार को एयरफोर्स के अपाचे हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। पायलट व अन्य जवान सुरक्षित हैं। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है। एयर फोर्स के अपाचे हेलीकॉप्टर ने शुक्रवार को पठानकोट एयरबेस से उड़ान भरी थी। हलेड़ा गांव के पास पहुंचने पर तकनीकी खराबी आ गई। इमरजेंसी को देखते हुए पायलट ने उसे खेत में लैंड करा दिया। मामले की सूचना मिलते ही सेना और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है। सेना के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं और हेलीकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी को दूर करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।इस संबंध में अभी वायु सेना का कोई अधिकृत बयान नहीं आया है।

मणिपुर में इंटरनेट सेवाएं बहाल

इंफाल। मणिपुर में राजधानी सहित पांच जिलों में शुक्रवार सुबह छह बजे इंटरनेट सेवाएं बहाल कर दी गई। इंटरनेट पर बार-बार प्रतिबंध से सामान्य सरकारी और निजी तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर गंभीर असर पड़ा एवं शिक्षा व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन अरामबाई टेंगोल (एटी) के नेता की गिरफ्तारी के बाद सात जून की रात 11.45 बजे से राज्य की राजधानी समेत पांच जिलों में इंटरनेट पर फिर से प्रतिबंध लगा दिया गया था। राज्य सरकार ने प्रतिबंध के बाद अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया। एटी ने अपने नेता की गिरफ्तारी के विरोध में दस दिन बंद की घोषणा की लेकिन तीसरे दिन इसे वापस ले लिया। शुरुआती प्रतिबंध आदेश पांच दिनों के लिए था और यह गुरुवार रात 11.45 बजे समाप्त हो गया। गृह आयुक्त एन अशोक कुमार के देर रात के आदेश से प्रतिबंध को 13 जून की सुबह छह बजे तक बढ़ा दिया गया था।

अहमदाबाद विमान हादसा : पीएम मोदी ने कहा, 'इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता'

एजेंसी

अहमदाबाद । गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार को हुए विमान हादसे के बाद शुक्रवार को पीएम मोदी अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचे। पीएम मोदी एयरपोर्ट से सीधे घटना स्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद पीएम मोदी सिविल अस्पताल पहुंचे और घायलों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। पीएम मोदी ने हादसे को लेकर कहा कि इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। पीएम मोदी के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में इसकी जानकारी दी गई। उन्होंने कहा, ÷आज अहमदाबाद में दुर्घटनास्थल

का दौरा किया। तबाही दुखद है। अधिकारियों और टीमों से मुलाकात की जो घटना के बाद अथक परिश्रम कर रहे हैं। हमारी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने इस अकल्पनीय त्रासदी में अपने प्रियजनों को खो दिया है।

पीएम मोदी ने दूसरे पोस्ट में लिखा, अहमदाबाद में हुए हवाई हादसे से हम सभी स्तब्ध हैं। इतने सारे लोगों की अचानक और दिल दहला देने वाली मौत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति हमारी संवेदना। हम उनके दर्द को समझते हैं और यह भी जानते हैं कि उनके पीछे जो खालीपन रह गया है, उसे आने वाले कई सालों तक महसूस किया जाएगा। ओम शांति। पीएम मोदी सुबह करीब 8:30 बजे अहमदाबाद हवाई अड्डे पहुंचे, जहां से वे दुर्घटना स्थल पर गए और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने लगभग 20 मिनट तक घटनास्थल का मुआयना किया और राहत कार्यों में लगे अधिकारियों व एनडीआरएफ की टीमों से जानकारी ली। इसके बाद, वे अहमदाबाद के सिविल अस्पताल गए, जहां उन्होंने घायलों से मुलाकात की, उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली, और एकमात्र जीवित बचे यात्री विश्वास कुमार रमेश से भी बात की। अस्पताल में भर्ती घायलों में कुछ हॉस्टल के छात्र थे। पीएम मोदी के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू, राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी मौजूद थे।

करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर का निधन

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर का निधन हो गया है। संजय ने 53 वर्ष की उम्र में इंग्लैंड में अंतिम सांस ली। पोलो खेलते समय उन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। उनके असामयिक निधन से कपूर परिवार और उनके करीबी गहरे सदमे में हैं। संजय के निधन की खबर आने के बाद इंडस्ट्री से लेकर उनके प्रशंसकों तक में हर कोई शोक व्यक्त करने वालों का तांता लगा है। अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने साल 2003 में बिजनेसमैन संजय कपूर से शादी की थी। हालांकि, कुछ ही सालों में उनके रिश्ते में दरार आ गई और दोनों के बीच मतभेद बढ़ने लगे।

अहमदाबाद प्लेन हादसे का फिलहाल कारण बताना मुश्किल, जांच से ही सामने आएगी हकीकत : एविएशन एक्सपर्ट्स

एजेंसी

नई दिल्ली । सिविल एविएशन मंत्रालय में पूर्व ज्वाइंट सेक्रेटरी डॉ सनत कौल ने शुक्रवार को कहा कि अहमदाबाद प्लेन हादसे के बारे में फिलहाल कुछ भी कहना मुश्किल है। जांच होने के बाद ही सही जानकारी सामने आएगी। डॉ सनत कौल ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि यह एक बहुत दुखद हादसा है और इसमें सैकड़ों लोगों की जान चली गई है। लोग अटकलें लगा रहे हैं कि चिड़िया प्लेन से टकरा गई होगी या फ्लैप उलटे होंगे, लेकिन मेरा मानना है कि यह एक इंजन फेल होने की घटना है, क्योंकि प्लेन ऊपर जाने के कुछ देर बाद ही नीचे आ गया। बोइंग को लेकर किए गए सवाल पर कॉल ने कहा कि पिछले कुछ सालों में कंपनी पर कई बार सवाल उठे हैं और अमेरिकी संसद (यूएस कांग्रेस) ने भी कंपनी की जांच की है। बोइंग 737 मैक्स के दो-तीन क्रैश हुए थे। हालांकि, बोइंग 787 ड्रीमलाइनर एक अच्छा जहाज है। इसमें अब तक ऐसी कोई समस्या नहीं आई थी। ऐसे में जांच के बाद ही हकीकत सामने

आएगी। वहीं, अन्य एविएशन एक्सपर्ट संजय लजार ने कहा, यह एक बेहद दुखद और दिल दहला देने वाली घटना है। मैं इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।उन्होंने आगे कहा, विमान टेकऑफ के वीडियो सामने आए हैं, उनके आधार पर यह स्पष्ट होता है कि उड़ान भरते ही पायलट ने 'मेडे कॉल' दी थी, जो एक आपातकालीन संकेत होता है। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि विमान में इंजन फेल हुआ था या फिर बड़े पैमाने पर बर्ड हिट (पक्षियों से टकराव) की स्थिति बनी थी। उन्होंने यह भी कहा कि, अभी हम केवल अनुमान ही लगा सकते हैं। असली कारण क्या था, यह तो पूरी जांच की रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 171 गुरुवार को दोपहर को क्रैश हो गई थी। इसमें 242 लोग सवार थे।

मुझे खुद भरोसा नहीं, मैं कैसे जिंदा निकला: अहमदाबाद विमान हादसे में बचे विश्वास कुमार ने बताया कैसे हुआ 'चमत्कार'

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में बड़ा खुलासा हुआ है। मृतक की पत्नी सोनम रघुवंशी ने खुद पुलिस के सामने हत्या की साजिश में शामिल होने की बात कबूल ली है। मामले की जांच कर रही SIT (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) की पूछताछ में सोनम टूट गई और बताया कि उसने ही अपने प्रेमी और सुपारी किलर्स के साथ मिलकर राजा की हत्या की साजिश रची थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मेघालय के शिलॉन्ग में आरोपियों का आमना-सामना कराया गया, जहां सोनम और उसके प्रेमी राज कुशवाहा को स्ट्रक्स ने सबूतों के आधार पर सवालों के घेरे में लिया। जैसे ही सोनम को उसके खिलाफ पुख्ता साक्ष्य दिखाए गए, वह रो पड़ी और जुर्म कुबूल कर लिया। जांच में सामने आया है कि सोनम का अपनी फैक्ट्री में काम करने वाले राज कुशवाहा से प्रेम संबंध था। उसने शादी तो राजा रघुवंशी से कर ली, लेकिन अपने पुराने प्रेमी को नहीं भुला सकी। शादी के महज 9 दिन बाद ही, उसने राजा को रास्ते से

हटाने का खौफनाक प्लान बना डाला। 20 मई को सोनम और राजा शिलॉन्ग रवाना हुए और 23 मई को वहां पहुंचने के बाद, पहले से मौजूद सुपारी किलर्स ने राजा की हत्या कर दी। अब तक की जांच में कुल पांच आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं–सोनम रघुवंशी, उसका प्रेमी राज कुशवाहा और तीन शूटर्स आनंद, आकाश राजपूत और विशाल उर्फ विक्की ठाकुर। मंगलवार रात को मेघालय पुलिस चार आरोपियों को लेकर शिलॉन्ग रवाना हुई, वहीं एक अन्य टीम सोनम को गाजीपुर से शिलॉन्ग लाई। सभी से गहन पूछताछ की जा रही है। इस मामले ने देशभर में सनसनी फैला दी है, जहां एक शादी, प्रेम और धोखे की खौफनाक कहानी सामने आई है।

करंट की चपेट में तीन मजदूरों की मौके पर मौत, 04 झुलसे

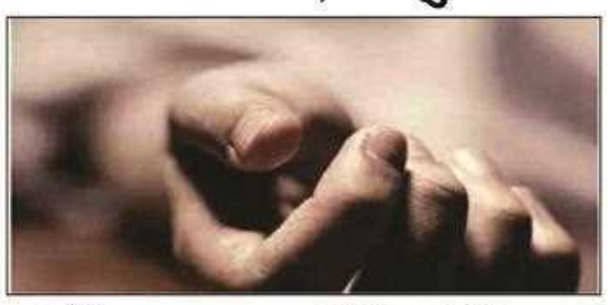

एजेंसी

गोटेगांव। मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव में आज करंट की चपेट में आने से तीन मजदूरों की घटनास्थल पर मृत्यु हो गयी। पुलिस सूत्रों के अनुसार जिला मुख्यालय से 50 किलोमीटर दूर गाडरवारा तहसील में एक मैरीज गार्डन में शादी की तैयारी के तहत एक झूला लगाने का कार्य किया जा रहा था। तभी यह झूला ऊपर से निकली हाईवोल्टेज 11 केवी से टकराया गया जिसके करंट से मौके पर ही तीन मजदूरों की मौत हो गई वहीं चार झुलस गये। झुलस गये लोगों को गाडरवारा सिविल अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद स्थल पर अफरा तफरी का माहौल छा गया। जानकारी मिलने पर पुलिस अधिकारी पहुंचे और मृतकों की पहचान में जुटे हुए है।

अहमदाबाद विमान हादसे में पूर्व पूर्व विजय रूपाणी के निधन पर अशोक गहलोत ने जताया शोक

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अहमदाबाद में हुए दर्दनाक विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। गहलोत ने रूपाणी को विनम्र स्वभाव का व्यक्ति बताते हुए याद किया कि जब वह गुजरात कांग्रेस प्रभारी थे, तब रूपाणी ही गुजरात के मुख्यमंत्री थे। गहलोत ने ईश्वर से श्री विजय रूपाणी की आत्मा को शांति और उनके परिजनों को हिम्मत देने की प्रार्थना की। गहलोत ने यह भी बताया कि इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में अब तक राजस्थान के 12 निवासियों की जान जाने की सूचना मिली है। उन्होंने कहा कि इस अप्रत्याशित घटना ने सभी को झकझोर दिया है और हताहत हुए लोगों के परिवारों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा

है। गहलोत ने ईश्वर से सभी दिवंगतों को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और इस अपार दुख की घड़ी में परिजनों को हौसला प्रदान करने की प्रार्थना की।

कोविड-19: भारत में कई हफ्ते बाद एक्टिव केस घटे, पिछले 24 घंटे में एक मौत

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के लिए कोविड-19 संक्रमण को लेकर थोड़ी राहत की खबर है। कई दिनों के बाद देश में संक्रमण के नए मामलों की संख्या में गिरावट देखी गई है। पिछले 24 घंटे में पूरे देश में नए कोविड केस के मुकाबले ठीक होने वालों की संख्या ज्यादा रही है। हालांकि केरल में एक 82 साल के बुजुर्ग व्यक्ति की संक्रमण के कारण मौत हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 13 जून को कोविड संक्रमण को लेकर नए आंकड़े जारी किए। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देशभर में कोविड के कुल एक्टिव केस 7131 हो चुके हैं। इसके पहले 12 जून को कुल मामले 7154 दर्ज किए गए थे। इस लिहाज से कोविड के एक्टिव मामलों में 23 की गिरावट आई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में कोविड संक्रमण के कुल 200 नए मामले दर्ज हुए, जबकि 223 एक्टिव केस घटे। इससे अब कुल एक्टिव मामलों की संख्या 7131 हो गई है, जबकि पिछले 24 घंटे में पूरे देश में कोविड से ठीक होने वालों की संख्या 1420 रही है। राज्यवार आंकड़ों में पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा 77 केस गुजरात में दर्ज हुए। उसके बाद राजस्थान में 32, उत्तर प्रदेश में 24, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में 14-14, असम में 7, हरियाणा और झारखंड में 5-5, पुडुचेरी में 4, लद्दाख में 3 और ओडिशा में एक मामला सामने आया। हालांकि कोरोना से मरने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। नए वैरिएंट के बाद अब तक 78 मौतें दर्ज की गईं। केरल में पिछले 24 घंटे में एक व्यक्ति के मरने का मामला आया। इससे पहले 3 लोगों ने जान गंवाई, जिनमें महाराष्ट्र में 2, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 1-1 मरीज की मौत हुई। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 21 मौतें दर्ज हैं।

इजरायल को लंबे समय से उपद्रवी राष्ट्र के रूप में जाना जाता है : पिनाराई विजयन

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम । केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शुक्रवार को ईरान में इजरायल के हवाई हमलों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्वीकार्य नहीं है। सीएम विजयन ने मीडिया से बात करते हुए कहा, इजरायल को लंबे समय से एक उपद्रवी देश के रूप में जाना जाता है। यह सच है और सभी को पता है। उन्हें लगता है कि अमेरिका के समर्थन से वे कुछ भी कर सकते हैं। सीएम ने कहा, ÷हमने जो सुना है, वह वाकई घिनौना है। ईरान पर हमला स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह विश्व शांति के लिए खतरा है और सभी को इस मनमानी कार्रवाई का विरोध करना चाहिए। सीएम विजयन का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब नीलांबुर विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार चल रहा है, जहां 19 जून को मतदान होना है। नीलांबुर में लगभग 43 प्रतिशत मुस्लिम रहते हैं और यह बहुसंख्यक हिंदू आबादी के बहुत

करीब है। इजरायल विरोधी बयान से निश्चित रूप से उन लोगों पर असर पड़ेगा, जो इजरायल का विरोध करते हैं। 2024 लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान विजयन के नेतृत्व वाले वामपंथी नेतृत्व ने हमास पर हमले को लेकर इजरायल के खिलाफ जमकर निशाना साधा था। मुख्यमंत्री विजयन का शुक्रवार का बयान केरल की हजारों नर्सों के इजरायल में काम करने से जोड़ा जा रहा है। सीएम विजयन का दावा है कि इजरायल यह सब इसलिए कर रहा है क्योंकि उसे अमेरिका का समर्थन प्राप्त है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ईरान पर इजरायल के हमले से खुद को दूर रखने की कोशिश की है। अमेरिकी विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मार्को रुबियो ने कहा कि वाशिंगटन इसमें शामिल नहीं है। रुबियो ने कहा, हम ईरान के खिलाफ हमलों में शामिल नहीं हैं। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता क्षेत्र में अमेरिकी सेना की रक्षा करना है। इजरायल ने हमें सलाह दी है कि उनका मानना ??है कि यह कार्रवाई उनकी आत्मरक्षा के लिए जरूरी थी। इजरायल ने शुक्रवार तड़के ईरान के खिलाफ बड़े हवाई हमले किए, जिससे क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया और लंबे समय से चले आ रहे दोनों प्रतिद्वंद्वियों के बीच व्यापक संघर्ष की आशंका बढ़ गई।

हमले तेहरान के परमाणु कार्यक्रम और इजरायल की राष्ट्रीय सुरक्षा के कथित खतरे को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच हुए हैं।

निजामुद्दीन से गाजियाबाद जा रही ट्रेन बेपटरी, कोई हताहत नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के निजामुद्दीन से गाजियाबाद जा रही एक ट्रेन पटरी से उतर गई। ट्रेन का चौथा डिब्बा प्रभावित हुआ है। अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और राहत एवं सुरक्षा उपायों का आकलन किया जा रहा है। उत्तर रेलवे के अनुसार, शाम 4:10 बजे के आसपास ट्रेन नंबर 64419 (एनजेडएम-जीजेडबी ईएमयू) का एक डिब्बा शिवाजी ब्रिज के पास डाउन मेन लाइन पर पटरी से उतर गया। रेलवे अधिकारी और कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचकर बहाली के काम में जुट गए हैं। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। रेलवे अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सीएम रेखा गुप्ता ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के विकास कार्यों की समीक्षा की

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली संसदीय क्षेत्र के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की। इसमें सांसदों, विधायकों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ क्षेत्र की प्रमुख विकास परियोजनाओं और संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। सीएम रेखा गुप्ता ने विकास कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। बैठक में सड़कों की मरम्मत, जलापूर्ति, स्ट्रीट लाइटिंग और नालों की सफाई जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया। मुख्यमंत्री ने इन क्षेत्रों में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने और कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के निवासियों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। सीएम रेखा गुप्ता ने डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल के नए ब्लॉक के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने का आदेश दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण में तेजी लाने और तय समयसीमा के भीतर कार्य पूरा करने के लिए संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने को कहा। यह नया ब्लॉक क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अहमदाबाद विमान हादसा - जयराम रमेश ने विजय रूपाणी के साथ अपनी दोस्ती को याद किया

नई दिल्ली। अहमदाबाद विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की दुखद मौत हो गई। रूपाणी के निधन पर राजनीतिक दलों के श्रद्धांजलि अर्पित की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने रूपाणी के साथ संसद में बिताए हुए समय को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। जयराम रमेश ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, मुझे अभी भी सदन में हमारी बहस याद हैं, साथ ही सेंट्रल हॉल में दोस्ताना बातचीत भी याद है, जहां हम जलवायु परिवर्तन, शहरी गर्मी और पर्यावरण के बारे में बात करते थे। वह बेहद मिलनसार थे और सदन में आक्रामकता के साथ अक्सर मुस्कुराहट भी होती थी। 2 अगस्त 1956 को म्यांमार के रंगून (अब यांगून) में जन्मे रूपाणी का प्रारंभिक जीवन राजनीतिक उथल-पुथल से प्रभावित रहा। जैन समुदाय से ताल्लुक रखने वाला उनका परिवार 1960 में राजकोट चला गया। उन्होंने कला और कानून में डिग्री हासिल की और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसकी छात्र शाखा एबीवीपी के माध्यम से अपना सार्वजनिक जीवन शुरू किया। वह नवनिर्माण आंदोलन में सक्रिय थे और आपातकाल के दौरान जेल भी गये थे। वह 1996 से 1997 तक राजकोट के मेयर रहे और कई बार गुजरात विधानसभा के लिए चुने गए।

अहमदाबाद विमान हादसे पर विदेश मंत्रालय ने जताई गहरी संवेदना, प्रवक्ता बोले-हमने कई अनमोल जिंदगियों को खोया

नई दिल्ली। अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे को लेकर विदेश मंत्रालय ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यह एक बेहद दुखद दुर्घटना है, जिसमें कई लोगों की जान गई है। हादसे में विदेशी नागरिकों के हताहत होने की भी खबर है। दिल्ली में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए जायसवाल ने कहा, अहमदाबाद में जो कुछ हुआ, वह अत्यंत दुखद है। हमने कई अनमोल जिंदगियों को खोया है। हम उन सभी परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं, जिन्होंने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोया है। उन्होंने आगे कहा कि हादसे से जुड़ी विस्तृत जानकारी नागरिक उड्डयन मंत्रालय, एयर इंडिया और अन्य संबंधित विभागों द्वारा साझा की जा रही है। बचाव अभियान अब भी जारी है और स्थिति लगातार बदल रही है। जायसवाल ने स्पष्ट किया कि सटीक और अंतिम विवरण के लिए कुछ और समय इंतजार करना होगा।

दिल्ली एयरपोर्ट पर हाजियों की वतन वापसी शुरू, चेयरपर्सन कौसर जहां ने फूलों से किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। इस साल हज यात्रा की समाप्ति के बाद हाजियों की वतन वापसी का सिलसिला शुरू हो गया है। सऊदी एयरलाइन की उड़ान संख्या 3086 से 399 हाजियों का पहला जत्था दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के टर्मिनल 3 पर उतरा।

दिल्ली स्टेट हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां ने हज कमेटी के कार्यकारी अधिकारी अशफाक अहमद आरफी, उप कार्यकारी अधिकारी मोहसिन अली और अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सभी हाजियों का फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया। पहली फ्लाइट से आने वाले कुल 399 हाजियों में 188 महिलाएं और 211 पुरुष हैं। दिल्ली स्टेट हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां के अनुसार वर्ष 2024 की तुलना में इस साल

का हज यात्रा बहुत ही सुगम और सुविधाजनक रही। सऊदी अरब में मौसम अधिक गर्म और शुष्क होने के बावजूद व्यवस्था अच्छी रही, जिससे हाजियों को आसानी से हज के सारे मनासिक (विधि विधान) पूरे करने का अवसर मिला। दिल्ली स्टेट हज कमेटी के कार्यकारी अधिकारी अशफाक अहमद आरफी ने बताया कि आज से शुरू हुई हाजियों की वापसी का सिलसिला अगले माह जुलाई की 10 तारीख तक जारी रहेगा।

इस बीच कुल 37 फ्लाइट से 15069 हाजियों की वतन वापसी होगी। उन्होंने बताया कि 25 जून तक दिल्ली वापस होने वाले हाजी सऊदी अरब के जेद्दा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से आयेंगे, जबकि 26 जून से 10 जुलाई तक हाजी सऊदी अरब के शहर मदीना से दिल्ली वापस होंगे।

इस बीच दिल्ली स्टेट हज कमेटी ने वतन वापस लौटने वाले हाजियों के लिए हज मंजिल में ठहरने की व्यवस्था भी की है, ताकि दिल्ली आगमन के बाद दूर-दराज स्थानों के हाजी अपनी सुविधा के अनुसार यहां रुक सकें।

भारत-कनाडा संबंधों में सुधार की संभावना, जी-7 शिखर सम्मेलन में बातचीत का अवसर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के संबंधों में सुधार की संभावनाएं बन रही हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि दोनों देश एक-दूसरे के साथ जुड़ने और आपसी विश्वास बहाल करने के रास्ते तलाश रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का फोन आया था। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री को जी-7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। यह कॉल दोनों नेताओं के लिए भारत-कनाडा संबंधों पर विचार करने और भविष्य की दिशा तय करने का एक अवसर भी बना। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और कनाडा दोनों जीवंत लोकतंत्र हैं और कानून के शासन के प्रति समान प्रतिबद्धता रखते हैं। जायसवाल ने

बताया कि भारत और कनाडा की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच ऐसे तंत्र पहले से मौजूद हैं जो आपसी सुरक्षा संबंधी चिंताओं को समय-समय पर सुलझाते रहे हैं।

बांग्लादेश में रबींद्र नाथ टैगोर के पैतृक घर पर तोड़फोड़, भाजपा ने की घटना की निंदा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने बांग्लादेश में रबींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर तोड़फोड़ की घटना की कड़ी निंदा की है। पार्टी प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने कहा कि बांग्लादेश से जुड़े इस पूरे मामले को सरकार ने बड़ी ही संवेदनशीलता से लिया है। डॉ. पात्रा ने भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रबींद्रनाथ टैगोर ने दो राष्ट्रों के राष्ट्रगान को लिखा। भारत के राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' को रबिन्द्रनाथ जी की कलम ने ही संजोया। बांग्लादेश के राष्ट्रगान को भी उन्होंने ही लिखा था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस घर पर हाल ही में हमला किया गया था, जिसे जमात-ए-इस्लामी और हिफाजत-ए-इस्लाम के सदस्यों ने अंजाम दिया था। ये हमला योजनाबद्ध तरीके से किया गया। भाजपा प्रवक्ता डॉ. पात्रा ने कहा कि टैगोर कोई साधारण व्यक्ति नहीं थे। वे असाधारण विविधता वाले व्यक्ति थे। उन्होंने अपने साहित्य, दर्शन और दृष्टि के माध्यम से दुनिया को बहुत

योगदान दिया। टैगोर सीमाओं तक सीमित नहीं थे; उनकी विरासत राष्ट्रों से परे थी। रबिन्द्रनाथ टैगोर के दादा दी द्वारकानाथ टैगोर ने 1840 में ढाका से लगभग 125 किमी दूर सिराजगंज में दो मंजिला घर बनवाया था। डॉ. पात्रा ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का व्यवहार उचित नहीं है। अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। वहां की सरकार इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय स्मारक को बचा कर नहीं रख सकी। भाजपा प्रवक्ता के नाते बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की हम निंदा करते हैं। जब उनके घर पर हमला होता है, तो सिर्फ़ इमारत ही नहीं बल्कि उनके सोचने के तरीके पर भी हमला होता है। हम वैश्विक समुदाय से इस कृत्य के खिलाफ़ एकजुट होने की अपील करते हैं।

मोदी सरकार ने प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को लोकतांत्रिक बनाया: अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने 11 साल के शासन में प्रौद्योगिकी के उपयोग को लोकतांत्रिक बनाया है और व्यापार क्षेत्र के लिए इसकी शक्ति का उपयोग किया है, जिससे भारत दुनिया की अग्रणी डिजिटल अर्थव्यवस्था बन गया है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा, 'मोदी सरकार ने प्रौद्योगिकी के उपयोग को लोकतांत्रिक बनाया और व्यापार क्षेत्र के लिए इसकी शक्ति का दोहन किया, जिससे भारत #vvYearsOfDigitalIndia में दुनिया की अग्रणी डिजिटल अर्थव्यवस्था बन गया। चाहे वह स्वास्थ्य सेवा हो, शिक्षा हो, व्यापार हो या वाणिज्य, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डिजिटल क्रांति के माध्यम से अर्थव्यवस्था और समाज के हर क्षेत्र को बदल दिया है।

डिजिटल इंडिया की प्रमुख उपलब्धियां:

- **आधार:** विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल आईडी प्रणाली- 140 करोड़ से अधिक लोगों को एक अनोखा 12-अंकों का आधार नंबर दिया गया है, जिससे सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने में आसानी हुई है।
- डिजिटल पेमेंट्स: डिजिटल भुगतान प्रणाली ने देशभर में तेजी से विस्तार किया है, जिससे लेन-देन में पारदर्शिता और सुरक्षा बढ़ी है।
- डिजिलॉकर:52 करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ताओं के साथ, डिजिलॉकर ने दस्तावेज प्रबंधन को आसान और सुरक्षित बना दिया है।

- जीवन प्रमाण: 10 करोड़ से अधिक पेंशनभोगियों ने डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र का उपयोग करके अपने जीवन प्रमाण को सत्यापित करने के लिए पंजीकरण कराया है।
- उमंग ऐप: 8.21 करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ताओं के साथ, उमंग ऐप ने सरकारी सेवाओं को एक ही मंच पर लाकर नागरिकों के जीवन को आसान बना दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-प्रौद्योगिकी गरीबों को सशक्त बनाने का बड़ा माध्यम

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी गरीबों को सशक्त बनाने का बड़ा माध्यम है। इसकी ताकत के प्रयोग से अनगिनत लाभ हुए हैं। जन सामान्य से जुड़ी सेवाओं में अभूतपूर्व पारदर्शिता आई है। प्रधानमंत्री मोदी ने आज एक्स हैंडल पर यह टिप्पणी डिजिटल इंडिया के 11वर्ष के अवसर पर माय गवर्नमेंट इंडिया (MyGovIndia) के पोस्ट पर की है। उन्होंने लिखा, 'प्रौद्योगिकी की शक्ति का लाभ उठाने से लोगों को अनगिनत लाभ हुए हैं। सेवा वितरण और पारदर्शिता में बहुत वृद्धि हुई है। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी सबसे गरीब लोगों के जीवन को सशक्त बनाने का एक साधन बन गई है। भारत के युवाओं की मदद से हम इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के अनुप्रयोग में उल्लेखनीय प्रगति कर रहे हैं। यह आत्मनिर्भर बनने और

वैश्विक तकनीकी महाशक्ति बनने के हमारे प्रयासों को भी मजबूत कर रहा है। माय गवर्नमेंट इंडिया (MyGovIndia) के एक्स हैंडल पर कहा गया है,11 साल पहले, एक खामोश डिजिटल क्रांति शुरू हुई- जिसने भारत के जुड़ने, शासन करने और विकास करने के तरीके को नया आकार दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में डिजिटल इंडिया पहल ने प्रौद्योगिकी को सशक्तिकरण के एक उपकरण में बदल दिया है। अंतराल को पाटा है। अवसरों के द्वार खोले हैं। हर नागरिक के लिए शासन को अधिक सुलभ और पारदर्शी बनाया है।

माय गवर्नमेंट इंडिया की एक्स पोस्ट पर लिखा गया, दूरदराज के गांवों में इंटरनेट की पहुंच से लेकर दुनिया में अग्रणी वास्तविक समय के डिजिटल भुगतान तक, यह परिवर्तन केवल संख्याओं के बारे में नहीं है- यह लोगों, प्रगति और संभावना के बारे में है। यह डिजिटल इंडिया के 11 वर्ष में समावेशी विकास, नवाचार और डिजिटल पावरहाउस के रूप में भारत के उभरने की कहानी है। भारत की तकनीकी यात्रा क्रांतिकारी है।

अहमदाबाद में विमान दुर्घटना पर जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने दुख व्यक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली । जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के अध्यक्ष सैयद सदातुल्लाह हुसैनी ने अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान की दुखद

दुर्घटना पर कहा है कि हम गहरे सदमे में हैं और दुखी हैं। इतने सारे निर्दोष लोगों की जान जाने से गमगीन हैं। यह अकल्पनीय पैमाने की आपदा है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना स्थल से दिखने वाले दृश्य अत्यंत दुखद हैं तथा लोग अपने प्रियजनों की पहचान और समाचार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। परिवारों का दर्द शब्दों से परे है। हम बचाव और राहत कार्यों में भाग लेने वाले स्थानीय अधिकारियों और स्वयंसेवकों के अथक कार्य की सराहना करते हैं। हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह इस दुखद घटना के कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच करे तथा यह सुनिश्चित करे कि सुरक्षा सुधार शीघ्रता से लागू हों। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद सभी प्रभावित परिवारों के साथ एकजुटता से खड़ी है और उनके गम में पूरी तरह से शामिल हैं।

दिल्ली भाजपा के नेताओं के साथ पीएम मोदी की साढ़े 3 घंटे चली बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने आधिकारिक आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर दिल्ली के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सभी सांसदों और विधायकों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री आवास पर उनकी यह बैठक करीब साढ़े तीन घंटे तक चली। लोकसभा चुनाव 2024 में दिल्ली की सभी सात सीटों पर भाजपा की ऐतिहासिक जीत और विधानसभा चुनाव 2025 में निर्णायक बहुमत हासिल करने के बाद यह पहली बार है जब प्रधानमंत्री ने पार्टी के दिल्ली इकाई के नेताओं के साथ सीधे संवाद किया। यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई है जब केंद्र में भाजपा सरकार को 11 वर्ष पूरे हो चुके हैं और साथ ही दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली सरकार के 100 दिन भी पूर्ण हो चुके हैं। इस अवसर को पार्टी नेताओं ने एक सांकेतिक और उत्सवपूर्ण क्षण बताया। सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में दिल्ली के 100 दिनों के रिपोर्ट कार्ड पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी विधायकों से चर्चा की। साथ ही उन्होंने सांसदों को अपने संसदीय क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा संपर्क दौर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश और अब दिल्ली में भी शानदार कार्य हुआ है, जिसके लिए हम उन्हें धन्यवाद देने आए हैं। उत्तर

पश्चिम दिल्ली से सांसद योगेन्द्र चंदोलिया ने बताया कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिल्ली के भविष्य के लिए निर्धारित राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टिकोण पर चर्चा करना था। उन्होंने कहा, पहले जब हम चुनाव जीतकर मिले थे, तब हमारे पास दिल्ली की सत्ता नहीं थी। अभियान बढ़ाने के लिए कहा। उन्होंने क्लीन दिल्ली ग्रीन दिल्ली मिशन पर काम करने का मंत्र दिया। राजधानी का विकास किस तरह से किया जाए, इस पर भी प्रधानमंत्री ने विधायकों व सांसदों को टिप्स दिए। वहीं मुलाकात को लेकर दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष और भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट ने कहा, "यह एक सुनहरा

विमान हादसे पर कांग्रेस ने जताया दुख, कार्यकर्ताओं से हर संभव सहायता प्रदान करने का आग्रह

एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर कांग्रेस ने दुख जताया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पोस्ट में हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि भयावह दृश्य देखकर दिल दहल जाता है। यात्रियों, पायलट और चालक दल के परिवारों के प्रति पार्टी की हार्दिक संवेदना, विचार और प्रार्थनाएं उन्होंने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से पीड़ितों और उनके प्रियजनों को हर संभव सहायता और समर्थन प्रदान करने का आग्रह किया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विमान दुर्घटना पर दुख जताते हुए इसे दिल दहला देने वाली घटना बताया है। राहुल ने एक्स पर साझा किए अपने संदेश में कहा कि यात्रियों और चालक दल के परिवारों को जो दर्द और चिंता हो रही होगी, वह अकल्पनीय है। इस कठिन क्षण में सभी के परिवारजन के प्रति संवेदनाएं। प्रशासन द्वारा तत्काल बचाव और राहत प्रयास महत्वपूर्ण हैं- हर जीवन मायने रखता है, हर सेकंड मायने रखता है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।

दुश्मनों की कमर तोड़ने को यूएवी 'रुद्रास्त्र' तैयार, पोखरण फायरिंग रेंज में दिखाई ताकत

एजेंसी

नई दिल्ली। सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड (एसडीएएल) ने पोखरण फायरिंग रेंज में अपने हाइब्रिड वीटीओएल यूएवी रुद्रास्त्र के परीक्षण पूरे कर लिए हैं। यह परीक्षण भारतीय सेना ने निर्धारित प्रदर्शन मापदंडों के अनुरूप किये, जिसमें वर्टिकल टेक ऑफ लैंडिंग शामिल थी। यूएवी ने डेढ़ घंटे में 170 किमी से अधिक दूरी तक जाकर मजबूत परिचालन क्षमता का प्रदर्शन करके मूल लॉन्च बिंदु पर सफलतापूर्वक वापस लौटा। भारत ने रक्षा प्रौद्योगिकी में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड (एसडीएएल) ने हाइब्रिड वर्टिकल टेक ऑफ एंड लैंडिंग यूएवी 'रुद्रास्त्र' विकसित किया है। एसडीएएल ने यूएवी के परीक्षण 11 जून को राजस्थान के पोखरण फायरिंग रेंज में किये। यह परीक्षण भारत की सैन्य शक्ति को मजबूत करने और क्षेत्रीय चुनौतियों, विशेष रूप से पाकिस्तान के खिलाफ एक कड़ा जवाब देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। परीक्षण के दौरान सटीक निर्देशित एंटी पर्सनल वारहेड की भी तैनाती की गई थी। परीक्षण के दौरान मध्यम

ऊंचाई से गिराए जाने पर गोला-बारूद ने कम ऊंचाई पर विस्फोट किया, जिसने सामरिक प्रभावशीलता बेंचमार्क को पूरा किया। यह सफल प्रदर्शन भारत की स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों की खोज में प्रमुख मील का पत्थर और आत्मनिर्भर पहल के तहत स्वदेशी सैन्य तकनीक को सुदृढ़ बनाने के भारत के प्रयासों में एक बड़ा कदम है। मिशन की बहुमुखी स्थितियों को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए यूएवी रुद्रास्त्र ने अपनी प्रमुख विशेषताओं को प्रदर्शित किया, जिसमें वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग, विस्तारित उड़ान रेंज, रियल टाइम निगरानी और सटीक निशाना शामिल है। यूएवी रुद्रास्त्र वर्टिकल टेक ऑफ और लैंडिंग में माहिर है, जिसकी 170 किलोमीटर से अधिक की रेंज है और सटीक लक्ष्य को भेदने में कारगर है, जो इसे युद्ध के मैदान में एक शक्तिशाली हथियार बनाता है। रुद्रास्त्र अपने वर्टिकल टेक ऑफ और लैंडिंग क्षमता के कारण दुर्गम इलाकों में भी प्रभावी ढंग से परिचालन कर सकता है।

रॉबर्ट वाड्रा ने श्वष्ठ समन से बचने के आरोपों का किया खंडन, जांच में सहयोग का दिया भरोसा

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा ने कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में लगाए गए उन आरोपों का खंडन किया है, जिनमें दावा किया गया था कि वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन से बच रहे हैं। उनके अधिवक्ता सुमन ज्योति खेतान ने एक बयान जारी कर कहा कि ऐसी खबरें पूरी तरह से असत्य और तथ्यहीन हैं। वाड्रा ने पिछले एक दशक से ईडी के सभी समन, सूचनाओं और दस्तावेजों की मांगों का पूर्ण अनुपालन किया है और भविष्य में भी कानून का पालन करने वाले नागरिक के रूप में अपना सहयोग जारी रखेंगे। वाड्रा को एक मामले के संबंध में 10 जून को ईडी के समक्ष पेश होने का समन मिला था, जिसमें वह 2019 से कई बार ईडी के सामने पेश हो चुके हैं और भारी मात्रा में दस्तावेज जमा कर चुके हैं। उनके वकील ने बताया कि 9 जून को वाड्रा को फ्लू जैसे लक्षण दिखाई दिए, जिसके बाद उन्हें चिकित्सकीय सलाह पर कोविड-19 टेस्ट कराने को कहा गया। यह प्रक्रिया पीएमओ सहित कई संस्थानों द्वारा अपनाई जा रही मौजूदा प्रथाओं के अनुरूप थी। इसके चलते वाड्रा ने ईडी को सूचित किया कि वह 10 जून को व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हो पाएंगे। वाड्रा ने ईडी को यह भी आश्वासन दिया कि जैसे ही उन्हें चिकित्सकीय मंजूरी मिलेगी, आ जाएंगे। उन्होंने स्वेच्छा से कहा कि यदि ईडी को तत्काल आवश्यकता महसूस होती है, तो वह उपलब्ध हैं, जैसा कि उन्होंने पहले कई बार किया है।

उनके वकील ने कहा कि वाड्रा ने हाल ही में भी भारी मात्रा में दस्तावेज जमा किए हैं और ईडी के सभी सवालों के जवाब दिए हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया था कि वाड्रा अपनी बेटी के स्नातक समारोह में शामिल होने के लिए विदेश यात्रा के बहाने ईडी की कार्रवाई से बच रहे हैं। इस पर खेतान ने कहा, यह पूरी तरह से असत्य, अस्वीकार्य और तथ्यहीन है। वाड्रा की सभी विदेश यात्राएं ईडी की पूर्व सूचना और न्यायालय की अनुमति के साथ होती हैं।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ईडी के रिकॉर्ड में वाड्रा का नियमित रूप से पेश होने का इतिहास दर्ज है और यह सोचने का कोई आधार नहीं है कि वह समन का जवाब देने के लिए गलत कारण देंगे।

संपादक की कलम से

एक ही झूठ को बार बार दोहराने से वह सच नहीं हो जाता

यह काफी पुरानी कहावत है कि एक झूठ को सौ बार बोला जाए तो वह सच लगने लगता है। सोशल मीडिया के जमाने में यह बात और भी सही साबित हो रही है। फर्जी खबरों से परेशान होकर गूगल और फेसबुक ने वादा किया है कि वे इस समस्या से निपटने के प्रयास कर रहे हैं। मगर सवाल यह है कि क्या यह वाकई एक समस्या है और क्या लोग वाकई इतने भोले-भाले होते हैं कि झूठ को बार-बार बोलने से उस पर यकीन करने लगें?

कुछ अध्ययनों से तो लगता है कि सचमुच ऐसा ही होता है। यू.एस. के एक पत्रकार क्रेग सिल्वरमैन ने कुछ ऑनलाइन झूठी खबरों का विश्लेषण करने पर पाया कि झूठी खबरों को ज्यादा तवज्जो मिलती है बनिस्बत उन आलेखों के जो इन खबरों का पदार्फाश करने की कोशिश करते हैं। शायद आपको लगे कि आप ऐसी झूठी खबरों के जाल में नहीं फंस सकते। मगर 1940 में किए गए एक अध्ययन का निष्कर्ष था कि ह्लकोई अफवाह जितनी ज्यादा बार कही जाए, वह उतनी ही संभव लगने लगती है ह्व इसका मतलब है कि कोई झूठ सिर्फ प्रसार के दम पर लोगों के विचारों और अभिमतों को प्रभावित कर सकती है।

इसके बाद 1977 में एक और अध्ययन ने इसी बात को थोड़ा अलग ढंग से प्रस्तुत किया था। यूएस के कुछ शोधकताओं ने कॉलेज के विद्यार्थियों से किसी वक्तव्य की प्रामाणिकता को लेकर पूछताछ की। उन्हें बताया गया था कि वह वक्तव्य सही भी हो सकता है और गलत भी। शोधकताओं ने पाया कि यदि उसी वक्तव्य को कुछ दिनों बाद फिर से दोहराया जाए तो इस बात की संभावना बढ़ती है कि विद्यार्थी उस पर यकीन करने लगेंगे।

वर्ष 2015 में वान्डरविल्ट विश्वविद्यालय (टेनेसी) की लिजा फेजियो ने एक अध्ययन में देखा कि चाहे विद्यार्थी जानते हों कि कोई कथन गलत है, मगर यदि उसे दोहराया जाए, तो काफी संभावना बनती है कि वे उस पर विश्वास कर लेंगे। फेजियो का कहना है कि झूठी खबरें लोगों को तब भी प्रभावित कर सकती हैं जब वे जानते हैं कि वह झूठी है। वही खबर या वही सुर्खियां बार-बार पढ़ने पर लगने लगता है कि शायद वह सच है। लोग प्रायः जांच करने की कोशिश भी नहीं करते।

मसलन, हाल में किए गए एक अध्ययन में यूएस के हाई स्कूल छात्रों को एक तस्वीर दिखाई थी। इसमें बताया गया था कि दुर्घटना के बाद फुकुशिमा दाइची परमाणु बिजली घर के आसपास पौधों पर विकृत फूल उग रहे हैं। जब यह पूछा गया कि क्या वह तस्वीर बिजली घर के आसपास की स्थिति का प्रमाण माना जा सकता है, तो मात्र 20 प्रतिशत छात्रों ने ही इस पर शंका जाहिर की जबकि 40 प्रतिशत ने तो माना कि यह स्पष्ट प्रमाण है। तस्वीर के साथ यह नहीं बताया गया था इसे प्रस्तुत किसने किया है।

कुछ अध्ययनों से यह भी पता चला है कि आजकल लोग सर्च इंजिन्स पर काफी भरोसा करते हैं और उसमें भी जो पहली प्रविष्टि होती है उसे ही सच मान लेते हैं।

ऐसी स्थिति में आलोचनात्मक सोच विकसित करने का महत्व बहुत बढ़ जाता है अन्यथा हम झूठ और सच का फैसला किए बगैर अफवाहों के जंगल में हाथ-पांव मारते रहेंगे।

हिटलर के युद्ध विशेषज्ञ गोएबल्स ने भी यही दर्शन इस्तेमाल किया था। इसलिए हिटलर जीत नहीं पाया, लेकिन हिटलर के बयान में सच्चाई लग रही थी। राहुल गांधी के बारे में भी यही बात कही जा सकती है। राहुल गांधी एक ही बात को बार-बार झूठ बोलने के आदी हो गए हैं और वह हर चुनाव हार जाते हैं और अभी भी भाजपा के खिलाफ आरोप लगाते रहते हैं। लेकिन वे किसी काम के नहीं हैं और लोग हंसते हैं। राहुल ने ताजा आरोपों में भाजपा पर बहुत गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि भाजपा ने हाल के चुनावों में एक बड़ा धोखा किया है और उन्होंने इसे उजागर करने का नाटक किया है। लेकिन चुनाव आयोग ने पारस्परिक रूप से उन पर आरोप लगाया है और दिखाया है कि उनके आरोप कितने झूठे और हास्यास्पद हैं। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने राहुल को जवाब दिया है और वो भी अपने अंदाज में। उन्होंने कहा कि राहुल द्वारा अपने नवीनतम लेख में लगाए गए आरोप उनके फर्जी नैरेटिव का एक अकाउंट है। यह इस बात का संकेत है कि आगामी बिहार चुनाव में कांग्रेस और उसके सहयोगी दल किस तरह निराश होंगे। उन्होंने राहुल के हर फर्जी नैरेटिव पर नकेल कसी है और उनके द्वारा उठाए गए हर बिंदु का जवाब दिया है।

कांग्रेस चुनाव दर चुनाव हार रही है और हर बार कांग्रेस पार्टी किसी और को जिम्मेदार ठहराने के बजाय उसे जिम्मेदार ठहरा रही है। भारत की जनता ने इसे कई बार देखा है। लेकिन जेपी नड्डा को जाने दो। वह एक प्रतिद्वंद्वी है, लेकिन चुनाव आयोग ने खुद राहुल के आरोपों को निराधार बताया है और आयोग किसी का गुलाम नहीं है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि क्या राहुल गांधी भाजपा के खिलाफ अपने आरोपों को स्वीकार करेंगे। आयोग ने खुद आरोपों से इनकार किया है। सवाल ये है कि क्या राहुल अपनी बात मानेंगे या फिर वो ये भी कहेंगे कि ये भी विपक्ष का खेल है, यानी कांग्रेस विपक्ष का. राहुल गांधी के पास लोगों को देने के लिए कोई आकर्षक कार्यक्रम और कोई घोषणा नहीं है। उनके पास लोगों को बनाए रखने की कोई योजना नहीं है। कांग्रेस के पास पैसा नहीं है। नेताओं के पास बहुत पैसा है लेकिन पार्टी के पास एक रुपया भी नहीं है। उनके पास पार्टी के कार्यक्रम के बिलों का भुगतान करने के लिए भी पैसे नहीं हैं। ऐसे में राहुल बीजेपी पर आरोप लगाते हैं, जो उनके हौसले की पराकाष्ठा है।

जनगणना की मांग करने वाले दलों को अब मिलेगी शांति पर इसका दूसरा पहलू भी गौरतलब है

अशोक भाटिया , मुंबई

जनगणना की मांग करने वाले दलों के लिए अब राहत की खबर है। केंद्र सरकार देश में जाति जनगणना का एलान तो पहले ही कर चुकी है। अब सरकार ने तारीखों का भी एलान कर दिया है। सूत्रों को मुताबिक, भारत में 1 अक्तूबर 2026 से जाति गणना के साथ जनगणना शुरू होगी। यह जनगणना देशभर में दो चरणों में कराई जाएगी। बता दें कि, जनगणना 1951 से प्रत्येक 10 साल के अंतराल पर की जाती थी (2021 में कोरोना महामारी के कारण टली)। जनगणना के आंकड़े सरकार के लिए नीति बनाने और उन पर अमल करने के साथ-साथ देश के संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए बेहद अहम होते हैं। वहीं राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को भी अपडेट करने का काम बाकी है।

सूत्रों के मुताबिक, 16 जून 2025 को जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत अधिसूचना जारी होते ही यह प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगी। इसके बाद जनगणना से जुड़ी विभिन्न एजेंसियां सक्रिय हो जाएंगी। पहले चरण में स्टाफ की नियुक्ति, प्रशिक्षण, जनगणना फॉर्मेट तैयार करना और फील्ड वर्क की योजना बनाई जाएगी। खास बात यह है कि इस बार जनगणना और जातिगत जनगणना एक साथ की जाएगी।प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगी। पहला चरण 1 फरवरी 2027 तक पूरा किया जाएगा, जबकि दूसरा और अंतिम चरण फरवरी 2027 के अंत तक संपन्न होगा। 1 मार्च 2027 की मध्यरात्रि को संदर्भ तिथि माना जाएगा, यानी उस समय देश की जनसंख्या और सामाजिक स्थिति का जो भी आंकड़ा होगा, वही रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा। इस दिन के बाद से आंकड़े सार्वजनिक रूप से सामने आने लगेंगे। यह ऐतिहासिक कदम देश की सामाजिक संरचना को बेहतर ढंग से समझने और नीतिगत फैसलों के लिए मजबूत आधार प्रदान करेगा।

वहीं हिमालयी और विशेष भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में यह जनगणना प्रक्रिया अन्य राज्यों से पहले, अक्टूबर 2026 तक पूरी कर ली जाएगी। वहां मौसम की कठिनाइयों और दुर्गम क्षेत्रों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के तहत, 1 मार्च 2027 को जनगणना की संदर्भ तिथि घोषित की जाएगी और संबंधित अधिसूचना 16 जून 2025 को राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद जनगणना की आधिकारिक तैयारियां प्रारंभ हो जाएंगी।

बता दें कि इस बड़े फैसले की पृष्ठभूमि में अप्रैल में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव की ओर से की गई घोषणा थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि कैबिनेट की राजनीतिक मामलों की समिति ने आगामी जनगणना में जातिगत आंकड़ों को शामिल करने की स्वीकृति दे दी है।उन्होंने कहा था, ह्लकैबिनेट समिति ने आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने का निर्णय लिया है। यह फैसला सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण तथा समग्र राष्ट्रीय प्रगति की दिशा में एक अहम कदम है ह्व उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जनगणना पारदर्शी तरीके से कराई जाएगी।

देशभर में जातिगत गणना की मांग काफी समय से उठती रही थी । कांग्रेस, कठऊकअ गठबंधन और विभिन्न क्षेत्रीय दलों ने बार-बार इसकी आवश्यकता को रेखांकित करती रही है। हाल ही में कांग्रेस शासित कर्नाटक सरकार ने राज्य स्तरीय जातिगत सर्वे कराया था, जिसे लेकर कुछ प्रमुख समुदायों वोक्कालिगा और लिंगायत ने यह कहते हुए आपत्ति जताई थी कि इस सर्वे में उनके साथ न्याय नहीं हुआ। गौरतलब है कि भारत में यह जनगणना मूल रूप से अप्रैल 2020 में आयोजित की जानी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। अगर इसे तय समय पर किया गया होता, तो अंतिम रिपोर्ट 2021 तक सामने आ जाती।जनगणना 2027 सिर्फ जनसंख्या की गणना भर नहीं होगी, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। वंचित वर्गों की सही पहचान और उनके लिए योजनाओं की बेहतर दिशा तय हो सकेगी। आरक्षण व्यवस्था और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों पर तथ्यात्मक और अद्यतन आंकड़े उपलब्ध होंगे। नीतियों और योजनाओं का पुनर्गठन संभव होगा जो समावेशी विकास की दिशा में उपयोगी हो सकता है। भारत में पिछली जनगणना वर्ष 2011 में की गई थी, जो दो चरणों में पूरी हुई थी। पहला चरण मकान सूचीकरण (ल्छड) और दूसरा चरण जनगणना (ढए)। 2021 में अगली जनगणना प्रस्तावित थी, जिसकी सभी तैयारियां भी पूरी हो गई थीं, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे स्थगित करना पड़ा। यदि यह जनगणना समय पर होती, तो 2021 तक इसकी अंतिम रिपोर्ट सामने आ चुकी होती। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर पोस्ट किया, ह्लजनगणना 2021 के लिए सभी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। हालाँकि, पूरे देश में कोविड के प्रकोप के कारण जनगणना का काम स्थगित कर दिया गया था। कोविड ने शिक्षा सहित सभी क्षेत्रों को बाधित किया। जनगणना के लिए लगभग 30 लाख गणनाकताओं की आवश्यकता है और उनमें से अधिकांश प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक हैं। कोविड के बाद जनगणना प्राथमिक शिक्षा को बाधित कर सकता था ह्व प्रवक्ता ने कहा कि जिन देशों ने महामारी के तुरंत बाद जनगणना की उन्हें जनगणना के आंकड़ों की कवरेज पर समस्याओं का सामना करना पड़ा।

केंद्र की प्रतिबद्धता दोहराते हुए प्रवक्ता ने कहा कि जनगणना प्रक्रिया अब तुरंत शुरू होगी और 1 मार्च, 2027 को संदर्भ तिथि के रूप में समाप्त होगी। पोस्ट में कहा गया है, ह्व जनगणना के संचालन के लिए बजट कभी भी बाधा नहीं रहा है क्योंकि सरकार द्वारा हमेशा धन का आवंटन सुनिश्चित किया जाता है।

गृह मंत्रालय बताया कि, 'जातियों की गणना के साथ-साथ दो चरणों में जनसंख्या जनगणना-2027 आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। जनसंख्या जनगणना-2027 के लिए संदर्भ तिथि मार्च, 2027 के पहले दिन 00:00 बजे होगी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर और हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के गैर-समकालिक बर्फीले क्षेत्रों के लिए, संदर्भ तिथि अक्टूबर, 2026 के पहले दिन 00।00 बजे होगी। उपरोक्त संदर्भ तिथियों के साथ जनसंख्या जनगणना आयोजित करने के इरादे की अधिसूचना जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 3 के प्रावधान के अनुसार 16।06।2025 को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी।'

भारत में हर दस साल में जनगणना होती है। पहली जनगणना 1872 में हुई थी। 1947 में आजादी मिलने के बाद पहली जनगणना 1951 में हुई थी और आखिरी जनगणना 2011 में हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक, 2011 में भारत की कुल जनसंख्या 121 करोड़ थी, जबकि लिंगानुपात 940 महिलाएं प्रति 1000 पुरुष और साक्षरता दर 74।04 फीसदी था।

ज्ञात हो कि देश में जनगणना की शुरूआत 1881 में हुई थी। पहली बार हुई जनगणना में जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी हुए थे। इसके बाद हर दस साल पर जनगणना होती रही। 1931 तक की जनगणना में हर बार जातिवार आंकड़े भी जारी किए गए। 1941 की जनगणना में जातिवार आंकड़े जुटाए गए थे, लेकिन इन्हें जारी नहीं किया गया। आजादी के बाद से हर बार की जनगणना में सरकार ने सिर्फ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के ही जाति आधारित आंकड़े जारी किए। अन्य जातियों के जातिवार आंकड़े 1931 के बाद कभी प्रकाशित नहीं किए गए।

जातीय जनगणना का एक दूसरा पहलू भी है जिसे नजर अंदाज नहीं किया जा सकता । जाति जनगणना का मतलब ही है कि भविष्य में आरक्षण का दायरा बढ़ाया जाएगा। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जाति जनगणना कराने की घोषणा होने के बाद ही डिमांड रख दी है कि जाति जनगणना का मतलब तभी पूरा होगा जब आरक्षण के 50 प्रतिशत वाले कैप को भी सरकार खत्म करे। ताकि पिछड़ों को आरक्षण 60, 70, 80 से 90 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सके। मंडलवादी पार्टियों की इन्हीं नीतियों के चलते ही देश 1990 से 2000 तक ऐसा अस्थिर हुआ कि एक मजबूत सरकार देश को नसीब नहीं हुई। उस एक दशक में भारत अपने बराबर के देशों जैसे चीन आदि से दशकों पीछे हो गया था। राजनीतिक अस्थिरता ऐसी रही कि देश भ्रष?टाचार और आतंकवाद के काले साए में समाया रहा। जाहिर है कि एक बार फिर वही कहानी दुहराए जाने का अंदेशा जताया जा रहा है। क्योंकि अब तो मंडलवादी पार्टियां और कांग्रेस दोनों ही इस मुद्दे पर एक हो गई हैं। जाहिर है कि समस्या और गंभीर होने वाली है।

भारत में जाति एक संवेदनशील मुद्दा रहा है। जनगणना में शामिल करने से जातिगत पहचान को और मजबूती मिलने की आशंका है। जाति जनगणना के बाद डइउ, रउ, और रळ की सटीक आबादी और उनकी स्थिति का पता चलेगा। 1990 में केवल अगड़ों ने संघर्ष किया था। पर अब दलित-आदिवासी और ईबीसी जातियां भी आंदोलनकारी होंगी। बहुत सी ऐसी जातियां हैं जो बहुत पिछड़ी हैं पर वो संख्या बल में कमजोर हैं। उनके साथ कैसे न्याय होगा, यह विचारणीय है। जाहिर है कि पिछड़ी जातियों में ही खींचतान बढ़ेगी। लोग मरने मारने पर उतारू होंगे। उच्च जातियों में भी यह डर पैदा हो सकता है कि उनकी हिस्सेदारी कम होगी। जाहिर इसके चलते एक बार फिर अगड़ा बनाम पिछड़ा वर्ग का तनाव बढ़ेगा। जैसा कि 1990 में देखा गया था। 1990 में तनाव जल्दी ही शांत हो गया था। इसका कारण था कि लोगों को अपना संख्या बल नहीं पता था। इस बार संघर्ष होगा तो रुकने का नाम नहीं लेगा। पर फिल्मकार विवेक अग्निहोत्री लिखते हैं कि जाति जनगणना जातिवाद को संस्थागत करेगा और सामाजिक एकता को कमजोर करेगा। 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशों के कार्यान्वयन के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों और सामाजिक तनाव इसका उदाहरण हैं।

अशोक भाटिया,

धरती पर हर छठा इंसान भारतीय, 77 साल बाद 300 करोड़ हो जाएगी देश की आबादी

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत जनसंख्या के मामले में सभी देशों से आगे निकल गया है और अगले 40 वर्षों में जनसंख्या 170 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। यूएनएफपीए की 2025 स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन (एसओडब्लूपी) रिपोर्ट में जनसंख्या और प्रजनन क्षमता को लेकर रिपोर्ट आई है। रिपोर्ट का शीर्षक "द रियल फर्टिलिटी क्राइसिस" है। इसमें भारत की घटती प्रजनन दर पर चिंता व्यक्त की गई है। इस तरह से ये आंकड़े इस बात पर जोर देते हैं कि लाखों व्यक्ति अपनी वास्तविक प्रजनन आकांक्षाओं को हासिल करने में असमर्थ हैं।मंगलवार को जारी संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की 2025 विश्व जनसंख्या स्थिति रिपोर्ट में कहा गया है कि अब से 40 साल बाद जनसंख्या में गिरावट शुरू होने से पहले लगभग 1.7 बिलियन तक बढ़ने की उम्मीद है। वहीं इस साल चीन की आबादी 1.41 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है।बीते वर्ष जुलाई में जारी संयुक्त राष्ट्र की एक अन्य रिपोर्ट विश्व जनसंख्या संभावना-2024 के मुताबिक, पिछले वर्ष भारत की जनसंख्या 1.44 अरब थी।रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत की कुल प्रजनन दर घटकर 1.9 हो गई है, जो कि प्रति महिला 2।1 जन्मों की प्रतिस्थापन स्तर प्रजनन क्षमता से भी कम है। इसका मतलब ये है कि महिलाएं एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक जनसंख्या को बनाए रखने के लिए आवश्यक से कम बच्चे पैदा कर रही हैं।

गौर करें तो जन्म दर में गिरावट के बावजूद, भारत की युवा आबादी काफी बड़ी है। इसमें 24% 0-14 वर्ष की आयु के हैं। 17% 10-19 वर्ष की आयु के हैं। और 26% 10-24 वर्ष की आयु वर्ग के हैं। इसके अतिरिक्त, 68% आबादी कामकाजी आयु (15-64) की है। ये संभावित जनसांख्यिकीय लाभांश प्रस्तुत करती है। बशर्ते पर्याप्त रोजगार और इसको सपोर्ट करती हुई नीतियां बनें।मौजूदा समय में बुजुर्ग आबादी (65 वर्ष और उससे ज्यादा) 7% है। आने वाले दशकों में जीवन प्रत्याशा में सुधार के साथ इस आंकड़ों में वृद्धि होने की उम्मीद है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट कहती है कि 2025 तक जन्म के समय जीवन प्रत्याशा पुरुषों के लिए 71 वर्ष और महिलाओं के लिए 74 वर्ष होने का अनुमान है।इन आंकड़ों के पीछे उन लाखों दम्पतियों की कहानियां हैं, जिन्होंने अपना परिवार शुरू करने या बढ़ाने का निर्णय लिया है। साथ ही उन महिलाओं के अनुभव भी हैं जिनके पास गर्भधारण करने के संबंध में सीमित विकल्प थे, चाहे वे कब, कितनी बार या गर्भवती हों।

यह भी बताया जाता है कि अगले 40 वर्षों में 240 मिलियन और जुड़ जाएगी और फिर भारत की जनसंख्या पहले बस जाएगी और फिर कुछ हद तक घट जाएगी। यह सिर्फ आशावाद नहीं है, बल्कि आंकड़ों का आधार देश की औसत प्रजनन दर में गिरावट है। किसी ने कितने बच्चों को जन्म दिया है, इसकी कुल प्रजनन दर (ळञ्ऋफ) 'कुल प्रजनन दर' के कारक से निर्धारित की जा सकती है। अर्थात, प्रति महिला बच्चों की संख्या प्रति व्यक्ति जन्म देती है। इतने लंबे समय तक यह 2।1 थी। अब यह घटकर 1।9 प्रतिशत हो गई है। स्थानांतरण दर 'से कम है। जनसंख्या के स्थिर रहने के लिए 'प्रतिस्थापन दर' एक आवश्यक कारक है। यह स्थानांतरण दर दशार्ती है कि जितने अधिक लोग मरते हैं, उतने ही नए जीव पैदा होते हैं। 'जितने गए, उतने ही आए' के अनुपात को बनाए रखने के लिए। हमारी प्रजनन दर को पहली बार 1।9 प्रतिशत तक नीचे आना होगा। तो यह 'जो चला गया है उससे कम' होगा और अगर यह जारी रहा, तो कुछ समय बाद जनसंख्या कम हो जाएगी।

सिर में दर्द माइग्रेन का है तो जरूर दिखते हैं ये लक्षण,

आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी में सिर दर्द आम समस्या बन गई है, लेकिन अगर ये दर्द बार-बार हो रहा है या एक तरफा हो रहा है तो इसे हल्के में लेना नुकसानदायक हो सकता है. कई बार लोग इसे सामान्य सिर दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि ये माइग्रेन हो सकता है. माइग्रेन एक न्यूरोलॉजिकल समस्या है, जो दिमाग में असंतुलन और नसों में सूजन के कारण होती है. डॉक्टरों के मुताबिक माइग्रेन के सिरदर्द में कुछ खास लक्षण नजर आते हैं, जिनकी पहचान करना जरूरी है ताकि सही समय पर इलाज मिल सके.

दिल्ली के जीबी पंत अस्पताल में न्यूरोसर्जरी विभाग में डॉ. दलजीत सिंह बताते हैं किमाइग्रेन का सिर दर्द सामान्य सिर दर्द से अलग होता है. इसमें दर्द सिर के एक तरफ ज्यादा महसूस होता है. कई बार ये दर्द धीरे-धीरे शुरू होता है और कुछ घंटों या दिनों तक बना रह सकता है. माइग्रेन में सिर में तेज धड़कन जैसा दर्द महसूस होता है, जो काम करने की क्षमता को भी प्रभावित करता है. खास बात ये कि माइग्रेन का दर्द बिना किसी कारण के अचानक भी शुरू हो सकता है.

माइग्रेन के मुख्य लक्षण

माइग्रेन सिर दर्द के साथ कई और लक्षण भी लेकर आता है. डॉक्टरों ने कुछ ऐसे संकेत बताए हैं जिनसे आप समझ सकते हैं कि सिर दर्द सामान्य नहीं बल्कि माइग्रेन का है. अक्सर माइग्रेन में सिर के एक ही तरफ तेज दर्द होता है. कुछ लोगों में ये दर्द बारी-बारी से सिर के दोनों तरफ भी हो सकता है.

„तेज रोशनी और आवाज से परेशानी

„माइग्रेन के दौरान तेज रोशनी या तेज आवाज बर्दाश्त नहीं होती. मरीज को शांत और अंधेरे कमरे में आराम करने की जरूरत महसूस होती है.

„मतली और उल्टी आना

„सिर दर्द के साथ-साथ मितली महसूस होना या उल्टी होना माइग्रेन का आम लक्षण है.

„धुंधला दिखना

„कुछ मामलों में आंखों के सामने धुंधला दिखाई देना या चमकदार रेखाएं नजर आना भी माइग्रेन का संकेत हो सकता है.

मुंबई में लोकल ट्रेन से गिरकर यात्रियों की मौत को रोकना जरूरी

अभी हाल ही में मुंबई के उपनगर दिवा और मुंब्रा के बीच भीड़ भरी लोकल ट्रेन के दरवाजे पर खड़े कुछ यात्री नीचे गिर गए और कुछ की मौत हो गई और अन्य घायल हो गए। सोमवार को सप्ताह का पहला दिन था जिस दिन मुंबई में उपनगरीय ट्रेनें भीड़ के साथ चलती हैं। मध्य रेलवे के मुंब्रा स्टेशन के पास दो लोकल ट्रेनों के दरवाजे पर खड़े यात्रियों को एक-दूसरे के खिलाफ रगड़ दिया गया। शुरूआत में बताया गया था कि कुछ लोग नीचे गिर गए और हादसा हो गया। इस बात की भी कोई जानकारी नहीं है कि कितने लोग मारे गए या कितने घायल हुए। दुनिया में कहीं भी इतनी बड़ी संख्या में यात्रियों को ले जाने की क्षमता नहीं होनी चाहिए। रात में चार घंटे को छोड़कर, सीएसटी-चर्चगेट से कर्जत, कसारा, खोपोली, पनवेल और विरार , पालघर, दहानू तक लोकल ट्रेनें चलती हैं।मोनो मुंबईकरों के लिए एक आवश्यक सेवा बन गई है। लोकल ट्रेनें और मेट्रो मुंबईकरों की सांस हैं। फिर, जिस प्रकार इस सेवा को तैयार रखना और चौबीसों घंटे कार्य करना रेलवे के लिए एक चुनौती है, उसी प्रकार यह रेलवे का भी कर्तव्य है। इसी महामुंबई से देश के खजाने में सबसे ज्यादा राजस्व मिलता है। इसी महानगर से देश को सबसे ज्यादा जीएसटी मिल रहा है। बदले में, रेल मंत्रालय भारी राजस्व चुकाने के बाद भी मुंबईकरों की दैनिक स्थानीय यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए नगण्य सेवाएं प्रदान करता है?

गौरतलब है कि दादर, कुर्ला, घाटकोपर, ठाणे, कलवा, डोंबिवली, कल्याण और अंधेरी, मध्य और पश्चिम रेलवे के वसई-विरार स्टेशनों पर हमेशा भीड़ रहती है। सीएसटी से कर्जत, कसारा, खोपोली, पनवेल आने और जाने वाली लोकल ट्रेनों में हमेशा भीड़ रहती है। इससे भी बदतर, लोकल ट्रेन में यात्रियों की हालत बदतर है। जब कासरा से सीएसटी और सीएसटी से कसारा जाने वाली ट्रेन गुजर रही थी, तो जो लोग दरवाजे पर खड़े थे और एक-दूसरे से चिपके हुए थे, उन्हें रगड़ा गया और उनमें से दर्जनों नीचे गिर गए।दौड़ते हुए लोकल में यात्री अपना संतुलन भी नहीं बना पाए, अन्य लोग नीचे गिरे लोगों को पकड़ या खींच कर वापस कोच में नहीं ला सके। कितने लोग घायल हुए, जिनके हाथ-पैर टूटे, किसने अपनी जान गंवाई, इसका विवरण बाद में आएगा, लेकिन भीड़ भरे लोकल के यात्री एक-दूसरे से रगड़कर नीचे गिर गए। यह समय उन पर क्यों आया? कौन जिम्मेदार है? इसका जवाब कोई नहीं देगा। देश में हर जगह वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू की जा रही है। वंदे भारत ट्रेन का क्रेज बढ़ रहा है, लेकिन मुंबई के इलाकों में रोजाना यात्रा करने वाले लाखों यात्री हवा में उड़ गए हैं। हर दिन, लाखों मुंबईकर काम तक पहुंचने के लिए भीड़-भाड़ वाले इलाकों में ढाई घंटे की यात्रा कर रहे हैं और आजीविका और रोजगार के लिए एक ही भीड़ से शाम और रात घर लौट रहे होते हैं।

बताया जाता है कि मुंबई में लोकल ट्रेन में रोजाना करीब 75 लाख लोग सफर करते है. सेंट्रल रेलवे मुंबई उपनगरीय में 1810 ट्रेनों का संचालन करता है, जिसमें प्रतिदिन 70 लाख पैसेंजर सफर करते है. वहीं वेस्टर्न उपनगरीय 1394 ट्रेनों का संचालन करता है, जिसमें 35 लाख पैसेंजर सफर करते हैं. एक तरफ जहां लाखों की संख्या में यात्री ट्रेनों में सफर करते हैं, उसी तरह हजारों लोगों की मौत भी ट्रेन की घटनाओं में हुई है. मुंबई हाईकोर्ट में दाखिल जवाब के मुताबिक, पिछले 20 सालों में मुंबई में रेल हादसों में 51,802 लोगों की मौत हो चुकी है। मुंबई में ट्रेन हादसों में हर दिन सात से आठ लोगों की मौत हो जाती है, लेकिन उनकी कोई खबर नहीं आती। मुंबई की उपनगरीय रेलवे 'हर दिन कौन रोता है' की स्थिति में है। नए साल 2025 के जनवरी से मार्च के तीन महीनों में मुंबई में ट्रेन हादसों में 663 लोगों की मौत हो गई। इनमें से 272 की मौत लोकल ट्रेन से गिरने से हुई, जबकि 391 की मौत रेलवे ट्रैक पार करते समय हुई। यह शायद पहली बार हो जब दो लोकल ट्रेनों के यात्री एक-दूसरे पर गिरकर मर गए हों या घायल हुए हों। क्या मुंबई में स्थानीय यात्रा पर किसी का नियंत्रण है? हर ट्रेन में हर लोकल के डिब्बे में बिना टिकट के कई यात्री होते हैं।

सवाल यह है कि भीड़ का दुष्चक्र कब खत्म होगा? स्थानीय यात्रियों के लिए कब है राहत? मुंबईकरों को लोकल ट्रेनों में आराम से यात्रा करने का मौका कब मिलेगा? आम लोग शौक के रूप में स्थानीय यात्रा नहीं करते हैं। लाखों लोग स्थानीय यात्रा की ओर आकर्षित होते हैं क्योंकि वे सस्ते और तेज यात्रा कर सकते हैं। पिछले दो वर्षों में वातानुकूलित स्थानों ने चलना शुरू कर दिया है। जैसे-जैसे उनकी संख्या बढ़ रही है, गैर-एसी स्थान कम हो रहे हैं। मुंबई में, एसी स्थानों की बहुत मांग है। रेल प्रशासन को इस बात का ध्यान रखना चाहिए।फर्स्ट क्लास कोच में भी बिना टिकट के लोगों की भारी भीड़ होती है, यहां तक कि महिलाओं की भी। उन्हें यकीन है कि उनसे टिकट मांगने कोई नहीं आएगा। बिना टिकट वाले यात्री पास धारकों के लिए रोज की परेशानी बने हुए हैं, लेकिन रनिंग लोकल में कोच में आकर टिकट चेकिंग लगभग बंद हो गई है। गंदे पोखर लगाकर बॉक्स को साफ करने का नाटक करने वाले लोगों की भारी भीड़ है।

हाथों में बच्चा लेकर भीख मांगने वाले भी बड़ी संख्या में लोग हैं। ये सभी लोग स्टेशन कैसे पहुंच सकते हैं, लोकल में कैसे चढ़ सकते हैं? वह सिस्टम कहां है जो उन्हें रोकता है, हटाता है और कार्रवाई करता है। पर्स बीनने वालों और मोबाइल चोरों के गिरोह भी भीड़ में सुराग तलाश रहे हैं। लेकिन जहां उन्हें रेलवे पुलिस का डर नहीं दिखता। दर्जनों यात्री इसलिए गिर गए क्योंकि वे मुंब्रा में भीड़ को संतुलित नहीं कर पाए, अगर इस भीड़ को नियंत्रित नहीं किया गया तो ऐसे हादसे होते रहेंगे। मुंबई की लाइफलाइन सुरक्षित है।

वैसे बताया जाता है कि मुंबई लोकल में सोमवार को हुए हादसे के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (कउऋ) टीम के साथ इमरजेंसी मीटिंग की। इसमें मुंबई के लिए अब जो भी नॉन एसी लोकल ट्रेन आएंगी। उन सभी में दिल्ली मेट्रो की तरह ऑटोमेटिक गेट लगाए जाएंगे। साथ ही मौजूदा समय में चल रही लोकल के गेटों को स्वचालित गेटों से बदला जाएगा। लेकिन मीटिंग में एक बात यह भी सामने आई कि अगर मुंबई लोकल की नॉन एसी ट्रेनों में ऑटोमेटिक गेट लगा दिए गए तो अंदर डिब्बों में घुटन अधिक हो जाएगी।

ये 5 दिन तक टिक पाएगा? इंग्लैंड टूर से पहले वैभव सूर्यवंशी को किसने दे दिया ओपन चैलेंज

एजेंसी

नई दिल्ली । वैभव सूर्यवंशी : आईपीएल 2025 में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचने वाले वैभव सूर्यवंशी चर्चा में बने रहते हैं. 14 साल का ये खिलाड़ी अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर जाने वाला है, जिसकी शुरुआत 27 जून से होने वाली है. मगर, इससे पहले वैभव को खुला चैलेंज मला है. पूर्व क्रिकेटर ने सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं कि क्या वैभव 5 दिन तक मैदान पर टिक भी पाएंगे.

Vaibhav Suryavanshi को मिला चैलेंज

आईपीएल में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से बड़े-बड़े रिकॉर्ड बनाने वाले 14 साल के वैभव सूर्यवंशी इंग्लैंड जाने की तैयारी कर रहे हैं. आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है. मगर, इससे पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने इस युवा खिलाड़ी पर प्रतिक्रिया दी.

योगराज सिंह ने वैभव को लेकर कहा, मुझे लगता है कि वैभव की असली परीक्षा टेस्ट क्रिकेट होगा. देखना ये होगा कि क्या वह पांच दिन तक टिक सकते हैं? 50 ओवर का गेम ठीक है. 20 ओवर का गेम भी ठीक है. मैं इन फॉर्मेट्स को नहीं मानता, लेकिन, अब ये फॉर्मेट्स हैं तो आपको तीनों फॉर्मेट्स में खेलने के लिए फिट होना चाहिए. आप संघर्ष क्यों करते हैं? क्योंकि आप सिर्फ ञ्20, ढ्ढक्क और 50 ओवर पर ध्यान देते हैं. आज तो 50 ओवर भी नहीं खेल सकते हैं हम लोग.%

IPL 2025 में वैभव ने मचाया धमाल

Vaibhav Suryavanshi की उम्र तब सिर्फ 13 साल थी जब राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें पिछले साल हुए मेगा ऑक्शन के दौरान 1.1 करोड़ में खरीदा था. उन्होंने 19 अप्रैल को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ अपना आईपीएल डेब्यू किया, जिसमें शार्दुल ठाकुर की पहली ही गेंद पर उन्होंने छक्का जड़ा. उस पल के बाद से वैभव ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार आगे बढ़ते गए. वैभव ने आईपीएल 2025 में सिर्फ 35 गेंद पर शतक लगाया और सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय क्रिकेटर बने. आंकड़ों की बात करें, तो उन्होंने 7 मैचों में उन्होंने 36 की औसत और 206.55 की शानदार स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाए.

टीम इंडिया को इंग्लैंड में छोड़कर अचानक भारत लौटे Gautam Gambhir, वजह भी आई सामने!

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम मौजूदा समय में इंग्लैंड में है और अपकमिंग टेस्ट सीरीज की तैयारियों में जुटी हुई है. खिलाड़ियों के साथ हेड कोच गौतम गंभीर भी इंग्लैंड गए थे, लेकिन अब अपडेट सामने आ रही है कि हेड कोच गौतम गंभीर अचानक इंग्लैंड से भारत लौट रहे है. हालांकि, बोर्ड या गंभीर की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है.

अचानक भारत क्यों लौटे गौतम गंभीर?

भारतीय हेड कोच टीम के खिलाड़ियों के साथ इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना हुए थे और वहां अपकमिंग सीरीज की तैयारी करवा रहे थे. मगर, अब रिपोर्ट्स के हवाले से खबर आई है कि गंभीर फैमिली इमरजेंसी के चलते अचानक भारत लौट रहे हैं. बताया जा रहा है कि गौतम गंभीर की मां फिलहाल हॉस्पिटल में भर्ती हैं, जहां डॉक्टर उनकी सेहत पर लगातार नजरें जमाए हैं. हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. बता दें, फिलहाल इंग्लैंड-भारत के बीच खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज के शुरु होने में अभी लगभग एक हफ्ते का वक्त है. ऐसे में गंभीर वक्त पर वापस भी लौट सकते हैं.

तैयारियों में जुटी हुई है शुभमन गिल की टीम

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाने वाली है, जिसका पहला मुकाबला 20 जून से शुरू होगा. शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम पिछले हफ्ते ही इंग्लैंड आ गई थी और तैयारियों में जुट गई. बताते चलें, रोहित शर्मा के टेस्ट रिटायरमेंट के बाद शुभमन गिल को टेस्ट कप्तान चुना गया और ऋषभ पंत को उपकप्तान चुना गया है.

19 छक्के, 296 का स्ट्राइक रेट, फिन एलेन बने नए 'सिक्सर किंग', तोड़ दिया क्रिस गेल का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी

न्यूजीलैंड । न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन ने मेजर लीग क्रिकेट (MLC) 2025 सीजन के पहले ही मैच में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए क्रिस गेल का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है. एलन ने अपना रिकॉर्ड 19वां छक्का जड़ते हुए केवल 49 गेंदों में 150 रन पूरे किए, जो टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 150 रन है. इसी के साथ एलन के इस मील के पत्थर तक पहुंचने के लिए अधिकतम स्कोर ने क्रिस गेल और एस्टोनिया के साहिल चौहान के 18-18 छक्कों के पिछले बेस्ट रिकॉर्ड को तोड़ दिया और मेन्स टी20 पारी में छक्कों का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया.

फिन एलेन ने रचा इतिहास

मेजर टी-20 लीग 2025 के पहले ही मैच में एक रिकॉर्डतोड़ मैच देखने को मिला. टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की तरफ से ओपनिंग करने आए फिन एलेन ने तो तहलका मचा दिया. उन्होंने शुरू से ही गेंद अटैक किया और पावरप्ले के अंदर ही 14 गेंदों पर 5 छक्कों की मदद से 40 रन बनाए. 26 वर्षीय खिलाड़ी ने 20 गेंदों पर 50 रन बनाने के बाद से ही आक्रमण को और तेज कर दिया. आक्रामक कीवी सलामी बल्लेबाज ने 2 बार 1 ओवर में 3 छक्के लगाए और मात्र 34 गेंदों में अपना चौथा टी-20 शतक पूरा किया, जो कि मेजर टी-20 लीग का सबसे तेज शतक और न्यूजीलैंड के किसी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे तेज टी-20 शतक बन गया. एलन ने 17वें ओवर में रिकॉर्ड 19वां छक्का जड़कर पांच और छक्के जड़ दिए, इससे पहले कि वह अगले ओवर में अपना 20वां छक्का लगाते हुए आउट हो जाते.

एलेन ने तोड़ा क्रिस गेल का रिकॉर्ड

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलेन ने इस तूफानी पारी के दौरान 19 छक्के जड़े और यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल का सालों पुराना रिकॉर्ड धराशाही कर दिया. एलेन ने क्रिस गेल और एस्टोनिया के साहिल चौहान के 18-18 छक्कों के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को तोड़ दिया और पुरुषों की टी20 पारी में छक्कों का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया. अब एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड फिन एलेन के नाम पर दर्ज हो गया है.

बताते चलें, फिन एलेन की इस तूफानी पारी की बदौलत पिछले सीजन की रनर-अप रही यूनिकॉर्न्स ने मौजूदा चैंपियन वॉशिंगटन फ्रीडम को 270 रनों का लक्ष्य दिया है.

BCCI के पीठ पीछे साजिश कर रहा PCB, एशिया कप की चर्चा के बीच सामने आ गया उसका पूरा प्लान

एजेंसी

नई दिल्ली। इस साल सितंबर महीने में एशिया कप का आयोजन होगा या नहीं? पाकिस्तान की टीम भारत आएगी या नहीं? फिलहाल ये सवाल सिर्फ सवाल हैं... पिछले महीने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जब एशिया कप का होना मुश्किल दिख रहा है, तो पाकिस्तान एक अलग ही तैयारी में है. रिपोर्ट्स के हवाले से खबर आई है कि पाकिस्तान ट्राई सीरीज कराने की तैयारी में है, जिसके लिए उसने संपर्क साधना भी शुरू कर दिया है.

ट्राई सीरीज की तैयारियों में जुटा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड

सितंबर में होने वाले एशिया कप की मेजबानी भारत के पास है. लेकिन, पिछले महीने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद अब एशिया कप का आयोजन सितंबर में होना मुश्किल लग रहा है. इस मामले पर लगातार पाकिस्तान की ओर से बयानबाजी भी चल रही है, मगर बीसीसीआई ने इसपर अब तक कोई अपडेट नहीं दी है. मगर, अब पाकिस्तान ने प्लान बी तैयार करना शुरू कर दिया है.

PCB के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया, अब जबकि एशिया कप के सितंबर में भारत में आयोजित होने की संभावना कम है, PCB एक ट्राई सीरीज प्रस्ताव पर काम कर रहा है.

ये 2 देश हो सकते हैं शामिल

अगर एशिया कप रद्द या फिर स्थगित होता है तो पाकिस्तान ट्राई सीरीज कराना चाहता है, जिसका खुलासा रिपोर्ट्स के माध्यम से हुआ है. इसके लिए ब्च्क्क चाहता है कि अफगानिस्तान और यूएई की टीमें इस ट्राई सीरीज में हिस्सा ले. सूत्र ने आगे बताया, +अगर एशिया कप कैंसिल या स्थगित किया जाता है, तो ब्च्क्क चाहता है कि अफगानिस्तान और UAE की टीमें अगस्त में पाकिस्तान में ट्राई सीरीज खेलें.

बताते चलें, एशिया कप की मेजबानी तो भारत के पास है, मगर अभी बीसीसीआई की तरफ से क्लीएरिटी नहीं मिली है कि टूर्नामेंट तय समय पर होगा या आगे बढ़ाया जाएगा.

'इससे तकलीफ होती है', 10 दिन में 2 फाइनल हारने पर छलका Shreyas Iyer का दर्द

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर एक बेहतरीन कप्तान हैं, मगर पिछले 10 दिनों में उन्हें 2 फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है. पहले आईपीएल 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स की टीम हारी और अब मुंबई टी-20 लीग में अय्यर की कप्तानी वाली सोबो मुंबई फाल्कन्स हारकर ट्रॉफी जीतने से चूक गई. 5 विकेट से फाइनल हारी Shreyas Iyer की टीम

मुंबई टी-20 लीग में लीग स्टेज पर शानदार प्रदर्शन करते हुए सोबो मुंबई फाल्कन्स और मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने फाइनल तक का सफर किया था. इस मैच में टॉस हारकर श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली सोबो मुंबई की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी. जहां, 20 ओवर में टीम ने 157 रन बोर्ड पर लगाए. लेकिन, टीम इस स्कोर को डिफेंड नहीं कर पाई और मराठा रॉयल्स ने 5 विकेट से इस मैच को जीतकर ट्रॉफी उठाई.

क्या बोले श्रेयस अय्यर?

मुंबई टी-20 लीग के फाइनल मैच में मिली हार के बाद श्रेयस अय्यर काफी निराश दिखे. उन्होंने 10 दिनों में 2 फाइनल खेलने को लेकर श्रेयस

अय्यर ने कहा, ये काफी हेक्टिक है. खास तौर पर जब आप हारते हैं, तो ये आपके माइंड में चलता रहता है. जिस तरह से सभी लोग बड़ी संख्या में आए, वह देखने लायक था. पूरा स्टेडियम भरा हुआ था. आने और सपोर्ट करने के लिए सभी का शुक्रिया. मैं किसी खास घटना का जिक्र नहीं करना चाहता. हमारे खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया. हमने फाइनल तक पहुचने के लिए दौरान सिर्फ एक ही मैच गंवाया. सिर्फ एक गेम, जिसमें आप किसी पर भी निशाना नहीं साध सकते. ये मूल रूप से पीठ में छुरा घोंपना है और मुझे ये पसंद नहीं है. हमने इससे काफी कुछ सीखा.

अय्यर ने बढ़ाया हौसला

Shreyas Iyer ने आगे कहा, फाइनल हारकर निराश होना नॉर्मल है. इससे तकलीफ होती है. लेकिन, जब वह अगले सीजन आएंगे, तो उनके पास मोटिवेशन और कॉन्फिडेंस होगा. इसलिए उन्हें अपने प्रयासों पर गर्व होना चाहिए. टीम में कई खिलाड़ी ऐसे थे, जिनके पास ज्यादा अनुभव नहीं था और 20 हजार लोगों के सामने खेलना भी आसान नहीं था. मैं वहां रहा, मैंने ऐसा किया. जब आप घबरा जाते हैं, तो आप गलतियां करते हैं, लेकिन ये आपको बहुत कुछ सिखाता है, आप मजबूती से वापसी करते हैं.

SCO vs NED: नीदरलैंड ने किया बड़ा कारनामा, जिसके कारण हर तरफ बज रहा है उनकी जीत का डंका

एजेंसी

नई दिल्ली। SCO vs NED: नीदरलैंड की टीम ने क्रिकेट के मैदान पर एक बड़ा कारनामा कर दिखाया है, जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है. नीदरलैंड्स ने आईसीसी विश्व कप लीग टू 2023-27 के मुकाबले में स्कॉटलैंड को चार विकेट से हराकर बड़ी जीत दर्ज की और इस दौरान 370 रनों के लक्ष्य को हासिल किया, जो वनडे क्रिकेट का तीसरा सबसे बड़ा रन चेज बन गया.

4 विकेट से नीदरलैंड ने जीता मैच

आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग टू 2023-2027 के दौरान स्कॉटलैंड का सामना नीदरलैंड से हुआ. इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी स्कॉटलैंड की टीम की ओर से शानदार बल्लेबाजी देखने को मिली, जिसने अपने सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से ने 6 विकेट के नुकसान पर 369 रन बोर्ड पर लगाए.

जवाब में नीदरलैंड के ओपनर Max ODowd ने 158 रनों की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई. नतीजन, नीदरलैंड ने 4 गेंद रहते हुए लक्ष्य को हासिल कर लिया और 4 विकेट से एक अहम जीत दर्ज की.

वनडे क्रिकेट का तीसरा सबसे बड़ा रनचेज

नीदरलैंड ने वनडे मुकाबले में स्कॉटलैंड को 4 विकेट से हराकर एक अहम जीत दर्ज की. इस दौरान टीम ने 370 रनों के लक्ष्य को आखिरी ओवर में हासिल किया, जो वनडे इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा रन चेज बन रहा. आपको बता दें, वनडे क्रिकेट में सबसे बड़ा रन चेज करने का रिकॉर्ड साउथ अफ्रीका के नाम पर दर्ज है. टीम ने 2006 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 438 रन चेज किए थे. लिस्ट में दूसरा नाम भी साउथ अफ्रीका का ही है. वहीं, अब लिस्ट में तीसरा नाम नीदरलैंड का शामिल हो गया है, जिसने 370 रनों का सफलतापूर्वक रन चेज किया.

ये हैं भारत के 5 रईस क्रिकेटर्स, जिनके पास है खुद का प्राइवेट जेट

एजेंसी

नई दिल्ली। दौलत.. शौहरत... और हर वो चीज भारतीय क्रिकेटर्स की जेब में है, जिसका कोई भी सपना देखता है. बीसीसीआई अपने क्रिकेटर्स को मोटी सैलरी तो देती ही है, मगर, एडवरटाइजमेंट्स और सोशल मीडिया से भी खिलाड़ी खूब कमाई करते हैं. ऐसे में उनका अल्ट्रा लग्जरी लाइफ जीना स्वभावित है. महंगी गाड़ियां, लग्जरी वॉच, करोड़ों के घर आदि के अलावा भारत में कुछ ऐसे क्रिकेटर्स भी हैं, जिनके पास प्राइवेट जेट भी हैं. तो आइए इस आर्टिकल में आपको उन 5 क्रिकेटर्स के बारे में बताते हैं, जिनके पास ये लग्जरी मौजूद है.

सचिन तेंदुलकर

पूर्व भारतीय दिग्गज और क्रिकेट की दुनिया में भगवान माने जाने वाले सचिन तेंदुलकर को संन्यास लिए कई साल बीत चुके हैं, मगर वह आज भी नेटवर्थ के मामले में भारत के नंबर-1 क्रिकेटर हैं. महंगी कार और मुंबई में लग्जरी घर के अलावा सचिन के अलावा वह एक प्राइवेट जेट के भी मालिक हैं. रिपोर्ट्स में दावा किया जाता है कि, भारतीय क्रिकेटरों में सबसे महंगा प्राइवेट जेट सचिन तेंदुलकर के पास ही है और इसकी कीमत लगभग 260 करोड रुपए आंकी जाती है.

कपिल देव

भारत को पहला वर्ल्ड कप दिलाने वाले कप्तान कपिल देव भी इस लिस्ट में शुमार हैं, जिनके पास अपना प्राइवेट जेट है. कपिल देव वैसे तो सादगी से जीना पसंद करते हैं और बेबाकी से अपनी बात रखने के लिए जाने जाते हैं. दिग्गज के पास जो प्राइवेट जेट है, उसकी कीमत लगभग 110 करोड़ रुपए आंकी जाती है.

हार्दिक पांड्या

अपनी लग्जरी लाइफ को फ्लॉन्ट करने वाले हार्दिक पांड्या सुर्खियों में बने रहते हैं. करोड़ों की गाड़ी और घड़ियां पहनने वाले हार्दिक भी उन चुनिंदा भारतीय क्रिकेटर्स में शुमार हैं, जिनके पास अपना प्राइवेट जेट है. हालांकि, सचिन, विराट और धोनी की तुलना में उनका प्राइवेट जेट सस्ता है, जिसकी कीमत 40 करोड़ रुपये से ज्यादा है.

एमएस धोनी

भारत के ही नहीं दुनिया के सबसे सफल कप्तानों में शुमार एमएस धोनी भले ही इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर हो चुके हो, लेकिन वह अभी भी आईपीएल में खेलकर अपने फैंस को रोमांचित करते हैं. माही भी उन क्रिकेटर्स में से एक हैं, जिनके पास प्राइवेट जेट है. रिपोर्ट्स के अनुसार, धोनी के इस प्राइवेट जेट की कीमत सचिन के प्राइवेट जेट के बराबर ही है. दोनों की कीमत लगभग 260-260 करोड़ रुपये बताई जाती है.

विराट कोहली

पूर्व भारतीय कप्तान और 2 दशक तक वर्ल्ड क्रिकेट में अपने नाम का डंका बजाने वाले विराट कोहली मौजूदा समय में भारत के सबसे अमीर क्रिकेटर्स में आते हैं. तो ऐसे में जाहिर तौर पर उनके पास हर वो लग्जरी है, जिसका एक आम इंसान सपने देखता है.

कोहली उन क्रिकेटर्स में शुमार हैं, जिनके पास प्राइवेट जेट है. रिपोर्ट्स की मानें, तो कोहली के इस प्राइवेट जेट की कीमत 125 करोड़ रुपये है. हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है.

संजय कपूर की पहली पत्नी नंदिता का विराट कोहली से है खास कनेक्शन

क्रिकेटर के लिए कर चुकी हैं ये काम

एजेंसी

नई दिल्ली। करिश्मा कपूर और उनके एक्स पति संजय कपूर का रिश्ता कैसा था, ये तो सभी जानते हैं. कैसे दोनों की शादी हुई और फिर किस तरह कपल तलाक लेकर अलग हो गए. संजय ने 3 शादियां कीं और दूसरी वाइफ करिश्मा रहीं. मगर, क्या आप संजय की पहली पत्नी नंदिता महतानी के बारे में जानते हैं, जिनके रिलेशनशिप के चर्चों के बारे में तो आपने सुना ही होगा, लेकिन क्या आप जानते हैं कि उनका एक खास कनेक्शन भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली से भी है.

कौन हैं नंदिता महतानी?

संजय कपूर ने 3 शादियां की थीं. उनकी पहली पत्नी नंदिता महतानी थीं, जिसके साथ उनकी शादी 4 साल ही चल पाई थी और फिर दोनों अलग हो गए थे. बात करें, नंदिता की तो वह एक जानी मानी फैशन डिजाइनर हैं जो दो दशकों से भी अधिक समय से फैशन इंडस्ट्री में हैं.

वह अपने कॉकटेल और रिसॉर्ट वियर कलेक्शन के लिए जानी जाती हैं, जिन्होंने भारत के साथ-साथ इंटरनेशनल लेवल पर लोकप्रियता हासिल की है.

अपने करियर के अलावा, वह कई हाई-प्रोफाइल रिश्तों से भी जुड़ी रही हैं। कथित तौर पर, उन्होंने अभिनेता डिनो मोरिया, रणवीर कपूर और विद्युत जामवाल को डेट किया.

क्या है विराट कोहली से कनेक्शन?

जैसा कि हमने आपको बताया कि नंदिता महतानी पेशे से फैशन डिजाइनर हैं. 2012 से ही नंदिता कई सेलिब्रिटीज को स्टाइल कर चुकी हैं, जिसमें भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली का नाम भी शामिल है. नंदिता ने कहा था कि, %विराट की इम्पैकेबल स्टाइल है, जो उनकी स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी से आती है. वह स्पोर्टी कैजुअल लुक पसंद करते हैं, लेकिन उन्हें कभी-कभार ड्रेस अप करना भी अच्छा लगता है.%

विराट कोहली ले चुके हैं टेस्ट और टी20 से संन्यास

विराट कोहली ने 2008 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था और उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा. वह भारत के ही नहीं दुनिया के सबसे शानदार क्रिकेटर्स की लिस्ट में शुमार हैं. टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में खिताबी जीत दर्ज करने के बाद उन्होंने सबसे छोटे फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था और फिर इसी साल मई में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से भी रिटायरमेंट की घोषणा कर दी.

ऐसे में अब वह सिर्फ वनडे क्रिकेट में खेलते नजर आएंगे. इसके अलावा आपको बता दें, विराट कोहली का 18 सालों का इंतजार खत्म हुआ और 3 जून 2025 को आरसीबी ने अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी उठाई.

अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर नेपाल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया शोक

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और विदेश मंत्रालय ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर दुख जताया है। राष्ट्रपति शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की है। प्रधानमंत्री ओली ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजे शोक संदेश में अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर दुख प्रकट किया है। ओली ने नरेन्द्र मोदी और भारत के लोगों के प्रति संवेदनाएं प्रकट की है। ओली ने लिखा है कि इस विनाशकारी समय में हमारी संवेदनाएं पीड़ितों के परिवारों के साथ हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने भी बयान जारी करते हुए अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर गहरा दुख प्रकट किया गया है।

पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी की राजनीतिक सक्रियता से प्रधानमंत्री ओली नाराज

काठमांडू। उत्तरी पड़ोसी चीन की दस दिवसीय यात्रा से लौटने के कुछ दिनों बाद पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी राजनीतिक रूप से काफी सक्रिय हो गई हैं। राजनीति में अपनी सक्रियता के लिए अभियान शुरू करने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री और नेकपा एमाले अध्यक्ष केपी शर्मा ओली के गृह जिला को चुना, जिससे ओली ने अपनी नाराजगी सार्वजनिक रूप से जाहिर की है। पूर्व राष्ट्रपति भंडारी ने सीपीएन-यूएमएल की नेता के रूप में अपनी उत्तर की यात्रा पूरी करने के बाद तुरंत झापा की यात्रा की। उनकी सक्रियता से नाराज ओली ने पार्टी कैडर और नेताओं को सख्त हिदायत दी है। ओली ने पिछले दिनों कई बार अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया कि पार्टी के बाहर के व्यक्ति को पार्टी के बैनर पर कार्यक्रम कराना उचित नहीं है। भंडारी की सक्रिय राजनीति में वापसी के लिए पार्टी के कई नेता पैरवी कर रहे हैं। हालांकि, भंडारी ने अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन उन्होंने बहुत सारे संकेत दिए हैं कि वह जल्द ही राजनीति में लौटेंगी। भंडारी 2015 में देश की राष्ट्रपति बनने से पहले नेकपा एमाले की निर्वाचित उपाध्यक्ष थीं। उन्होंने वैश्विक सभ्यता पहल के चौथे संस्करण में भाग लेने के लिए 24 मई से 2 जून तक उद्योग मंत्री दामोदर भंडारी सहित यूएमएल नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए चीन का दौरा किया था। चीन की यात्रा करने से पहले उन्होंने गंडकी, कोशी और लुम्बिनी जैसे प्रांतों का दौरा किया, जहां उन्होंने राजनीतिक बैठकें कीं।

पाकिस्तान में सीनेट, असेंबली प्रमुख का वेतन 500 फीसद बढ़ा, आलोचना के बाद शहबाज ने वृद्धि रोकी, रिपोर्ट मांगी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सीनेट के चेयरमैन, सीनेट के डिप्टी चेयरमैन, नेशनल असेंबली के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के वेतन में की गई भारी वृद्धि के लिए हुकूमत को तीखी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने फिलहाल वृद्धि को रोकते हुए रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में वेतन वृद्धि के आधार और तर्कों को विस्तृत रूप से उनके सामने रखा जाए। पाकिस्तान के दुनिया न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आलोचना के बाद सीनेट के चेयरमैन, सीनेट के डिप्टी चेयरमैन, नेशनल असेंबली के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के वेतन में हाल ही में हुई बढ़ोतरी को गंभीरता से लिया है। चैनल ने सूत्रों के हवाले से कहा कि प्रधानमंत्री ने सीनेट के चेयरमैन और नेशनल असेंबली के स्पीकर से इस वृद्धि के पीछे के तर्कों के बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट की समीक्षा के बाद प्रधानमंत्री ही इस पर अंतिम निर्णय लेंगे। शहबाज ने सरकारी व्यय पर बढ़ती सार्वजनिक जांच और वित्तीय मामलों में पारदर्शिता की मांग के बीच यह कदम उठाया है। एक दिन पहले रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी नेशनल असेंबली के स्पीकर और सीनेट के चेयरमैन के वेतन में बढ़ोतरी की कड़ी आलोचना की थी। एक्स पर पीएमएल-एन के वरिष्ठ नेता ख्वाजा आसिफ ने कहा था, दोनों सदनों के संरक्षकों के वेतन में वृद्धि वित्तीय अश्लीलता है।रक्षामंत्री आसिफ ने सभी सांसदों से आम आदमी की दुर्दशा पर विचार करने का आग्रह करते हुए कहा, हमारी गरिमा और सम्मान पूरी तरह से आम नागरिक की भलाई पर निर्भर करता है।

आईएमएफ ने नेपाल के आर्थिक सुधारों के लिए 42.7 मिलियन डॉलर को मंजूरी दी

काठमांडू। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और नेपाली अधिकारियों ने विस्तारित ऋण सुविधा (ईसीएफ) के तहत नेपाल के आर्थिक सुधार कार्यक्रम की छठी समीक्षा पर कर्मचारी स्तर के समझौते पर पहुंच गए हैं, जिससे 42.7 मिलियन डॉलर आर्थिक सहयोग देने की सहमति हुई है। आईएमएफ कार्यकारी बोर्ड की मंजूरी लंबित समझौते का उद्देश्य नेपाल के विकास और वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देना है। निजी निवेश और बुनियादी ढांचे के खर्च को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत उपायों द्वारा समर्थित वित्त वर्ष 2022-26 में नेपाल की अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का अनुमान है। हालांकि, बढ़ते गैर-निष्पादित ऋणों और वैश्विक अनिश्चितताओं जैसी चुनौतियों का सामना करना अभी भी बाकी है।आईएमएफ मिशन प्रमुख सरवत जहां ने कहा, ईसीएफ समर्थित सुधार व्यापक आर्थिक स्थिरता को संरक्षित करने और नेपाल के नीतिगत ढांचे को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। वित्तीय क्षेत्र में सुधारों सहित सुधारों का समय पर निष्पादन महत्वपूर्ण होगा।इस फंडिंग से ईसीएफ के तहत कुल आईएमएफ समर्थन 331.8 मिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा।

सिंगापुर के कंटेनर पोत में लगी आग बुझाने को वायु सेना ने छिड़का 2600 किलो ड्राई केमिकल पाउडर

एजेंसी

सिंगापुर। अरब सागर में सिंगापुर के ध्वज वाले कंटेनर पोत वान हाई 503 में लगी आग को बुझाने के लिए अब भारतीय वायु सेना को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वायु सेना के एमआई 17वी5 हेलीकॉप्टर ने आज सुबह जहाज की आग बुझाने के लिए 2600 किलोग्राम ड्राई केमिकल पाउडर छिड़का। यह एक ऐसी आग थी?, जिसे पारंपरिक तरीकों से नियंत्रित नहीं किया जा सकता था। वायु सेना का हेलीकॉप्टर भारतीय तटरक्षक बल के साथ मिलकर अग्निशमन प्रयासों के लिए लगातार मिशन चला रहा है। सिंगापुर के ध्वज वाला कंटेनर पोत वान हाई 503 श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह से 06 जून को रवाना हुआ था, जिसे मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह पहुंचना था। इस जहाज पर कुल 22 चालक दल के सदस्यों के साथ कंटेनर कार्गो थे। कोलंबो से न्हावा शेवा की ओर जा रहे जहाज ने 09 जून को सुबह लगभग 09.30 बजे डेक के नीचे विस्फोट होने और बाद में आग लगने की सूचना दी। उस समय यह जहाजकेरल के अझिक्कल से 44 समुद्री मील दूर था।

भारतीय तटरक्षक बल और नौसेना के पांच जहाज मौके पर पहुंचे और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। लगातार प्रयासों के चलते 10 जून की शाम तक आग की लपटें कम हो गईं। घने धुएं के बीच जहाज लगभग 10-15 डिग्री झुक गया और कंटेनर पानी में गिरने लगे। भारतीय तटरक्षक बल ने चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों के बावजूद सिंगापुर के जहाज पर अग्निशमन प्रयासों को जारी रखा। कामयाबी न मिलते देख आज सुबह भारतीय वायु सेना को आग बुझाने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

हवाई अग्निशमन अभियान चलाने के लिए भारतीय वायु सेना के एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर पर एक पायलट और दो एयर क्रू गोताखोरों वाली एक विशेष टीम को तैनात किया गया।

मिशन के दौरान टीम ने 1,000 किलोग्राम ड्राई केमिकल पाउडर को सीधे आग पर छिड़का। जहाज की आग बुझाने के लिए अब तक 2600 किलोग्राम ड्राई केमिकल पाउडर छिड़का जा चुका है।

कोच्चि तट के पास पर्यावरणीय जोखिमों को कम करने के लिए आईसीजी स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है। हालांकि, जहाज की बाहरी आग को बुझा दिया गया है, लेकिन घना धुआं निकल रहा है, इसलिए आग बुझाने के प्रयास जारी हैं।

तटरक्षक बल और नौसेना के पांचों जहाज भी आग पर पूरी तरह से काबू पाने के लिए हाई अलर्ट पर हैं। जहाज को तट से दूर खींचने और संभावित पारिस्थितिक आपदा को टालने के लिए एक टोलाइन को जहाज से जोड़ने के प्रयास चल रहे हैं। एक आईसीजी हेलीकॉप्टर ने बचाव दल के पांच सदस्यों और एक एयर क्रू गोताखोर को जलते हुए जहाज पर उतारा है, ताकि टोइंग प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाया जा सके।

ओमान में रविवार को होगी ईरान-अमेरिका के बीच छठे दौर की वार्ता

एजेंसी

मस्कट। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम और प्रतिबंधों को लेकर चल रही अप्रत्यक्ष बातचीत का छठा दौर रविवार को ओमान की राजधानी मस्कट में आयोजित किया जाएगा। इस बात की जानकारी ओमान के विदेश मंत्री सैय्यद बदर बिन हमद बिन हमूद अलबुसैदी ने गुरुवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा की। अलबुसैदी ने बताया कि ओमान की मध्यस्थता में अब तक ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल अप्रैल से अब तक पांच दौर की बातचीत कर चुके हैं, जिनमें से तीन बैठकें मस्कट और दो रोम में हुई थीं। इन बातचीतों का मुख्य उद्देश्य तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर पारदर्शिता बढ़ाना और अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों में ढील के रास्ते तलाशना है। वहीं, ट्रंप प्रशासन ने पुष्टि की है कि मध्यपूर्व में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ईरान के साथ परमाणु वार्ता के छठे दौर के लिए रविवार को मस्कट की यात्रा करेंगे। बयान में कहा गया है कि पिछले दौर की तरह ही यह वार्ता प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह से होगी। हाल के दिनों में अमेरिकी अधिकारियों ने बार-बार यह मांग की है कि ईरान यूरेनियम संवर्धन की प्रक्रिया को पूरी तरह समाप्त करे। हालांकि, तेहरान ने इस मांग को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है और कहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है।

इजराइल और ईरान में रहने वाले भारतीयों के लिए दूतावासों ने जारी की सलाह

एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ रहे टकराव से दोनों देशों में स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने भारतीय नागिरकों के लिए सलाह जारी की है। भारतीय नागरिकों से सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया गया है। इजराइल में भारतीय दूतावास ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर आज सुबह इजराइल में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए सलाह जारी की है। इसमें कहा गया है कि क्षेत्र में मौजूदा स्थिति को देखते हुए इजराइल में सभी भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और इजराइली अधिकारियों और होम फ्रंट कमांड के सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी जाती है। सभी सावधानी बरतने की गुजारिश भी की गई है। सलाह में कहा गया है कि देश के भीतर अनावश्यक यात्रा करने से बचें और सुरक्षा आश्रयों के करीब रहें। इससे पहले ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने भी

एक्स हैंडल पर ईरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए सलाह जारी की। इसमें कहा गया, ईरान में मौजूदा स्थिति को देखते हुए ईरान में सभी भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों से अनुरोध है कि वे सतर्क रहें। अनावश्यक गतिविधियों से बचें। दूतावास के सोशल मीडिया अकाउंट को फॉलो करें और स्थानीय अधिकारियों के सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें। उल्लेखनीय है कि इजराइल की सेना ने ईरान के परमाणु ठिकानों को नष्ट करने के साथ कई सैन्य अफसरों और वैज्ञानिकों को मार गिराया है। इस पर इस्लामी क्रांति के नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई ने शुक्रवार सुबह संदेश में तीखी प्रतिक्रिया दी । उन्होंने कहा कि ईरानी प्रतिशोध सहने के लिए इजराइल तैयार हो जाए।

इस्तांबुल वार्ता का असरः रूस और यूक्रेन ने की घायल और बीमार सैनिकों की अदला-बदली

एजेंसी

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से चल रहे संघर्ष के बीच मानवीय पहल का एक और उदाहरण सामने आया है। गुरुवार को दोनों देशों ने बीमार और गंभीर रूप से घायल युद्धबंदियों का आदान-प्रदान किया। यह अदला-बदली ऐसे समय में हुई है जब हाल ही में इस्तांबुल में दोनों पक्षों के बीच कैदियों और मारे गए सैनिकों के अवशेषों को लेकर अहम वार्ता हुई थी।यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर साझा किए गए एक संदेश में पुष्टि की कि यूक्रेन के सभी लौटे सैनिकों को तत्काल चिकित्सकीय देखभाल की आवश्यकता है। हालांकि, उन्होंने इस अदला-बदली में शामिल सैनिकों की संख्या का उल्लेख नहीं किया। इस्तांबुल में हुई वार्ता के बाद से रूस और यूक्रेन ने कई बार युद्धबंदियों की अदला-बदली की है, जिसमें मुख्य रूप से 25 वर्ष से कम उम्र के, गंभीर रूप से घायल और बीमार सैनिक शामिल रहे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यह आदान-प्रदान युद्ध के

दौरान अब तक की सबसे बड़ी मानवीय पहलों में से एक बन सकता है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रूस के कई सैनिक यूक्रेन से लौटकर बेलारूस के रास्ते स्वदेश पहुंचे हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि इन सैनिकों को आवश्यक मनोवैज्ञानिक और चिकित्सकीय सहायता प्रदान की जा रही है। इससे एक दिन पहले, बुधवार को यूक्रेन ने कहा था कि उसने युद्ध के दौरान मारे गए अपने 1212 सैनिकों के शव वापस लाए हैं। वहीं क्रेमलिन के सलाहकार व्लादिमीर मेदिन्स्की ने जानकारी दी कि यूक्रेन ने रूस को उसके 27 सैनिकों के शव सौंपे हैं।

अयातुल्ला खामेनेई ने कहा-इजराइल हो जाए तैयार, चार सैन्य अफसरों और परमाणु वैज्ञानिकों की हत्या का बदला लेगा ईरान

एजेंसी

तेहरान। इजराइल के हवाई हमलों से ईरान में हाहाकार मच गया है। इजराइल की सेना ने परमाणु ठिकानों को नष्ट करने के साथ कई सैन्य अफसरों और वैज्ञानिकों को मार गिराया है। इस पर इस्लामी क्रांति के नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई ने शुक्रवार सुबह संदेश में तीखी प्रतिक्रिया दी । उन्होंने कहा कि ईरानी प्रतिशोध सहने के लिए इजराइल तैयार हो जाए। तेहरान टाइम्स अखबार के अनुसार, खामेनेई ने आधिकारिक संदेश में शुक्रवार सुबह तेहरान में इजराइल के हमलों में कम से कम चार ईरानी सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों की हत्या का बदला लेने की कसम खाई। उन्होंने कहा कि ईरान के इस्लामी क्रांति रक्षक कोर (आईआरजीसी) के कमांडर मेजर जनरल होसैन सलामी, खतम अल-

अनबिया केंद्रीय मुख्यालय के कमांडर मेजर जनरल घोलम अली राशिद, ईरान के परमाणु वैज्ञानिक, पूर्व परमाणु प्रमुख फेरेदून अब्बासी और मोहम्मद मेहदी तेहरानची की हत्या का बदला लिया जाएगा। सैय्यद अली खामेनेई ने कहा कि आज सुबह के शुरुआती घंटों में जायोनी शासन ने ईरान में अपराध कर अपने हाथ खून से सान लिए हैं। आवासीय केंद्रों को निशाना बनाया है। जायोनी शासन को कड़ी सजा का इंतजार करना चाहिए। इस्लामी गणतंत्र ईरान के सशस्त्र बलों का शक्तिशाली हाथ उठेगा। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना के अनुसार, खामेनेई ने कहा कि इजराइली शासन ने ईरान पर रात भर के हमलों के साथ अपने लिए एक कड़वी और दर्दनाक नियति तय कर ली है। उसे अब कठोर दंड का इंतजार करना होगा। तस्वीरों में राजधानी के कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त आवासीय इमारतें दिखाई दे रही हैं। प्रत्यक्षदर्शियों और सरकारी टीवी के रिपोर्टरों ने बताया कि उन्होंने पीड़ितों में महिलाओं और बच्चों के शव देखे हैं।

ढाका में सुप्रीम कोर्ट और महत्वपूर्ण स्थानों के आसपास शनिवार से सभा और जुलूस पर प्रतिबंध

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका के सभी प्रमुख स्थानों के आसपास सार्वजनिक सभा करने और जुलूस निकालने पर प्रतिबंध लगा दिया। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) आयुक्त ने आज इस आशय की अधिसूचना जारी कर दी। यह प्रतिबंध शनिवार से अगले आदेश तक प्रभावी रहेंगे। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार यह प्रतिबंध बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के आधिकारिक आवास, न्याय भवन, न्यायाधीश परिसर,सुप्रीम कोर्ट के

मुख्य द्वार, मजार गेट, जामे मस्जिद गेट, अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण 1 और 2 के प्रवेश द्वार और न्यायिक प्रशासन प्रशिक्षण संस्थान भवन सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर भी लागू रहेगा। डीएमपी ने गुरुवार को सार्वजनिक नोटिस भी जारी किया है। डीएमपी आयुक्त एसएम सजात अली ने ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस अध्यादेश (अध्यादेश संख्या की धारा 29 में निहित शक्तियों के आधार पर सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के हित में क्षेत्रों में सभी प्रकार की बैठकें, रैलियां, जुलूस और प्रदर्शन आयोजित करने पर प्रतिबंध लगा दिया। इसमें कहा गया है कि विभिन्न मांगों और विरोध कार्यक्रमों के नाम पर सड़कों को अवरुद्ध करके यातायात को बाधित न करें।

इजराइल का ईरान पर बड़ा हवाई हमला, परमाणु ठिकानों पर दागे बम

एजेंसी

तेहरान। इजराइल ने आज तड़के ईरान में कई स्थानों पर बम बरसाए। इस हमले से ईरान सकते में है। बम धमाकों से राजधानी तेहरान के बाशिंदे सहम गए। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी की खबर के अनुसार, इजराइल की सरकार ने शुक्रवार सुबह ईरान के रिहायशी इलाकों पर हमला किया। ईरान की राजधानी तेहरान में कई जोरदार धमाके सुने गए। इसके कुछ ही देरबाद इजराइली सरकार ने घोषणा की कि उसने ईरान के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया है।

इजराइल में आपातकाल, तेल अवीव में बजे सायरन

इस बीच अमेरिका के %एबीसी न्यूज% चैनल की खबर में इजराइल के रक्षामंत्री इजराइल कैट्ज के हवाले से कहा गया है कि इजराइल ने शुक्रवार सुबह स्थानीय समयानुसार

ईरान के विरुद्ध दर्जनों हमले किए। साथ ही इजराइल में आपातकाल की घोषणा की। कैट्ज ने बयान में कहा, ईरान के विरुद्ध इजराइल के पूर्वव्यापी हमले के बाद निकट भविष्य में इजराइल और उसके नागरिक आबादी के विरुद्ध मिसाइल और ड्रोन हमला होने की आशंका है। उनकी इस घोषणा के बाद तेल अवीव में हवाई हमले के सायरन बजने शुरू हो गए हैं। एक अमेरिकी अधिकारी ने वाशिंगटन में कहा कि अमेरिका का इसमें कोई हाथ नहीं है।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स प्रमुख होसैन सलामी मारे गए

अमेरिका के सीबीएस न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, इजराइल की सेना ने शुक्रवार सुबह ईरानी परमाणु सुविधा केंद्रों और शोध वैज्ञानिकों को निशाना बनाया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है। ईरानी राज्य टेलीविजन ने कहा कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रमुख होसैन सलामी हमलों में मारे गए। संयुक्त राज्य अमेरिका का इस हमले से कोई लेना-देना नहीं है। विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने बयान में कहा कि इजराइल ने ईरान के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की है। अमेरिका ईरान के खिलाफ हमलों में शामिल नहीं हैं।

इजराइल : हाइफा में युद्ध विरोधी प्रदर्शन पर कार्रवाई, तीन प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

एजेंसी

हाइफा। इजराइल के हाइफा शहर में हुए एक युद्ध विरोधी प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने तीन प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि यह प्रदर्शन गैरकानूनी था और इससे सार्वजनिक शांति भंग होने की आशंका थी। इजराइली पुलिस द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि प्रदर्शनकारियों ने बेन गुरियन स्ट्रीट पर इकट्ठा होकर गाजा युद्ध में इजराइल की कार्रवाईयों की निंदा करते हुए नारे लगाए और पोस्टर लहराए, जिससे जनता की शांति भंग हो सकती थी।पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने मौके पर मौजूद अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना की। बयान में कहा गया, +इजराइली पुलिस लोकतांत्रिक राज्य की बुनियादी विशेषता के रूप

में प्रदर्शन के अधिकार को मान्यता देती है, लेकिन यह अधिकार तभी तक मान्य है जब तक वह कानून के दायरे में हो। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि हम किसी भी प्रकार के असामाजिक व्यवहार, सार्वजनिक मार्ग में बाधा, या ऐसी किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं देंगे जो जनता की सुरक्षा और शांति के लिए खतरा बने। प्रदर्शनकारियों की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है और इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि उन्हें कब तक हिरासत में रखा जाएगा।

नेपाल-भारत के बीच कनेक्टिविटी और संयुक्त साझेदारी से ही समृद्धि संभव : विदेश मंत्री डॉ. राणा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा ने इस बात पर जोर दिया कि नेपाल और भारत गहरी कनेक्टिविटी और संयुक्त साझेदारी के माध्यम से साझा समृद्धि प्राप्त कर सकते हैं। काठमांडू में गुरुवार को नेपाल-भारत रणनीतिक वार्ता में उन्होंने मजबूत आर्थिक और बुनियादी ढांचे के संबंधों के माध्यम से व्यापार, पारगमन और निवेश संबंधों को बढ़ाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डॉ. राणा ने एक ऐसे भविष्य की कल्पना की, जहां अदरक जैसे नेपाली उत्पाद 24 घंटों के भीतर भारतीय बाजारों तक पहुंच जाएं और भारतीय पर्यटक एक दिन में दिल्ली से पोखरा के लिए उड़ान भर सकें। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध घनिष्ठ सहयोग और संपर्क की नींव बनाते हैं, जो आपसी समृद्धि को बढ़ावा दे सकते हैं। सड़क मार्गों, रेलवे, जलमार्गों, हवाई मार्गों और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि निर्बाध कनेक्टिविटी से सीमा पार व्यापार, पारगमन और क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को लाभ होगा। उन्होंने अगले दशक में नेपाल से 10,000 मेगावाट बिजली आयात करने की भारत की प्रतिबद्धता का हवाला देते हुए ऊर्जा सहयोग को एक प्रमुख सफलता के रूप में इंगित किया।

यूरोपीय संघ ने कहा- यूक्रेन को मजबूत स्थिति में लाना जरूरी, रूस पर कड़ा रुख अपनाने के दिए संकेत

एजेंसी

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि वह न केवल यूक्रेन की संप्रभुता के साथ खड़ा है, बल्कि रूस को आर्थिक और सामरिक दोनों मोर्चों पर घेरने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री परिषद की बैठक में सहमति बनी कि यदि रूस गंभीर और विश्वसनीय प्रतिबद्धताएं नहीं दिखाता है, तो उस पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। खासकर ऊर्जा और बैंकिंग क्षेत्र में। यूरोपीय संघ के शीर्ष राजनयिकों ने गुरुवार को मंत्री परिषद की बैठक के बाद एक साझा प्रेस वार्ता में यह स्पष्ट किया कि यूक्रेन को सबसे मजबूत स्थिति में लाना अब उनकी प्राथमिकता है। यूरोपीय विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने कहा, यह बैठक यह दिखाती है कि हमारी रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता पहले से कहीं अधिक मजबूत है। कैलास ने यूरोपीय संघ के 800 अरब यूरो के पुनर्संशस्त्रीकरण

(रिआर्म) कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि रूस एक खतरनाक शक्ति है, लेकिन उसकी प्रतिक्रिया पूर्वानुमेय है। उन्होंने कहा, रूस केवल ताकत को समझता है। ऐसे में मजबूती ही हमारी सबसे बड़ी रणनीति होनी चाहिए। उन्होंने जानकारी दी कि यह रूस पर लगाया गया 18वां प्रतिबंध पैकेज है और अभी और कठोर कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने दो टूक कहा कि रूस की अर्थव्यवस्था खून बहा रही है, लेकिन हमें मास्को की सेना तक नकदी के प्रवाह को और भी अधिक रोकना होगा। पोलैंड के विदेश मंत्री राडोस्लाव सिकोर्स्की ने यूरोपीय सहयोगियों से सुरक्षा और रक्षा खर्च में ठोस बढ़ोतरी करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, यूरोपीय स्तंभ को मजबूत करना और रक्षा प्रतिबद्धताओं को पक्का करना अब हमारी साझेदारी के लिए निर्णायक है। इस मौके पर यूक्रेन के विदेश मंत्री अंद्रीय सिबीहा ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से रूस पर और अधिक दबाव बनाने की अपील करते हुए कहा है कि अब केवल दबाव की कूटनीति ही मास्को को शांति के लिए विवश कर सकती है। उन्होंने कहा कि डिप्लोमेसी और तुष्टिकरण जैसी रणनीतियां रूस पर असर नहीं करतीं। रूस और पूरी दुनिया के लिए खतरा बने इस रवैये को केवल दबाव के जरिए ही खत्म किया जा सकता है।

'अगर तुम्हें कोई लड़का पसंद आए तो...' बेटी

जान्हवी कपूर

को डेटिंग पर क्या सलाह देती थीं श्रीदेवी?

दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी अपनी दोनों ही बेटियों जान्हवी कपूर और खुशी कपूर के काफी करीब थीं. हालांकि बड़ी बेटी जान्हवी से उनका खास लगाव था. जान्हवी भी अपनी मां को बेहद मानती थीं और वो उनके निधन के बाद बुरी तरह टूट गई थीं. जान्हवी अपनी मां की अभिनय की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं और उन्हें अब बॉलीवुड में काम करते हुए सात साल से भी ज्यादा समय हो चुका है.श्रीदेवी और बोनी कपूर ने अपनी बेटियों को बहुत अच्छी परवरिश दी है. श्रीदेवी अपनी बेटियों के हर काम पर और हर एक्शन पर नजर रखती थीं. वो जान्हवी और खुशी से डेटिंग को लेकर भी खुले तौर पर कह चुकी थीं. जान्हवी ने बताया था कि मां और पापा कहते थी कि अगर उन्हें कोई लड़का पसंद आए तो हम उससे उनकी शादी करा देंगे.

जान्हवी को डेटिंग लिए श्रीदेवी ने क्या कहा था ?

जान्हवी कपूर ने एक बार एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया था कि डेटिंग को लेकर उनके पैरेंट्स उनसे क्या कहते थे ? जान्हवी के मुताबिक, मां और पापा डेटिंग लाइफ को लेकर बहुत ही ड्रामेटिक थे. वो कहते थे, अगर तुम्हें कोई लड़का पसंद आए तो हमें बताना, हम तुम्हारी शादी करा देंगे. मैं कहती थी- क्या ? हमारी शादी हर अच्छे लगने वाले लड़के से नहीं हो सकती. जान्हवी अपनी मां से कहा करती थी कि चिल और मस्ती के लिए भी तो किसी को डेट कर सकते हैं. हालांकि श्रीदेवी को बेटी की ये बात पसंद नहीं आती थी और वो जान्हवी से पूछती थी कि चिल ? चिल का क्या मतलब होता है ?

किनके साथ जुड़ा जान्हवी का नाम

2017 के दौरान जान्हवी का नाम पॉलिटिशियन सुशील कुमार शिंदे के नाती शिखर पहाड़िया से जुड़ा था. बाद में दोनों अलग हो गए थे. हालांकि दोनों एक बार फिर करीब आए और अब कथित तौर पर जान्हवी-शिखर फिर से रिश्ते में हैं. वहीं जान्हवी ने साल 2018 में जब 'धड़क' फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था तब उनका नाम को-एक्टर ईशान खट्टर से भी जुड़ा था. इसके अलावा अक्षत राजन संग भी एक्ट्रेस का नाम सुर्खियों में रहा. दोनों ने बॉस्टन की टफ्ट्स यूनिवर्सिटी से ही साथ में पढ़ाई की है.

2018 में हो गया था श्रीदेवी का निधन

श्रीदेवी हिंदी सिनेमा की सबसे पॉपुलर अदाकाराओं में गिनी जाती हैं. उन्हें 'लेडी अमिताभ बच्चन' भी कहा जाता था. महज चार साल की उम्र से उन्होंने कैमरा फेस करना शुरू कर दिया था. बतौर एक्ट्रेस 300 से ज्यादा फिल्मों में नजर आईं श्रीदेवी का फरवरी 2018 में निधन हो गया था.

अक्षय ने दो बार मेरा इस्तेमाल किया...' ब्रेकअप के बाद टूट गई थीं शिल्पा शेट्टी, खाई थी ये कसम

अक्षय कुमार बॉलीवुड के असली दिलफेंक आशिक रहे हैं. उनका नाम हिंदी सिनेमा की करीब आधा दर्जन हसीनाओं के साथ जुड़ा है. पूजा बत्रा, आयशा जुल्का, रवीना टंडन और शिल्पा शेट्टी संग उनका नाम जुड़ चुका है. वहीं ट्विंकल खन्ना से शादी के बाद प्रियंका चोपड़ा संग भी उनके अफेयर की खबरें आई थीं. हालांकि अक्षय के सबसे ज्यादा चर्चित अफेयर रवीना टंडन और शिल्पा शेट्टी के साथ रहे हैं.ट्विंकल खन्ना से शादी करने से पहले अक्षय कुमार ने रवीना टंडन को डेट किया था. हालांकि फिर दोनों अलग हो गए थे. इसके बाद उन्होंने शिल्पा शेट्टी को डेट करना शुरू किया. शिल्पा इस रिश्ते को लेकर बेहद सीरियस थीं. हालांकि उन्हें अक्षय से धोखा मिला था. अक्षय ने अचानक से उन्हें छोड़ दिया और ट्विंकल के प्यार में पड़ गए, फिर उनसे शादी भी कर ली. अक्षय की इस हरकत से शिल्पा को बहुत बड़ा झटका लगा था. ब्रेकअप के बाद शिल्पा ने एक बातचीत में 'खिलाड़ी कुमार' पर कई गंभीर आरोप लगाए थे.

अक्षय ने मेरा दो बार इस्तेमाल किया

बताया जाता है कि अक्षय और शिल्पा की नजदीकियां 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' फिल्म की शूटिंग के दौरान बढ़ी थीं. दोनों ने एक-दूसरे से साथ अच्छा खासा वक्त बिताया था. हालांकि अक्षय ने फिर ट्विंकल खन्ना के लिए शिल्पा को चीट कर दिया था. रिश्ता खत्म होने के बाद शिल्पा ने साल 2000 में उमेश जिवनानी से बातचीत में बताया था कि अक्षय ने मेरा दो बार इस्तेमाल किया था और मुझे छोड़ दिया था. एक्ट्रेस ने कहा था, अक्षय मेरे साथ कुछ ऐसा करेगा ये मैंने कभी नहीं सोचा था. जब उन्हें कोई और मिल गई तो मुझे छोड़ दिया, मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मेरे अंदर इससे निकलने की ताकत है.

अक्षय को कभी माफ नहीं करूंगी

अक्षय से मिले धोखे से शिल्पा बहुत आहत हुई थीं. फिर उन्होंने ये भी कहा था कि मैं अक्षय को कभी माफ नहीं करूंगी और ना ही उनके साथ कभी काम करूंगी. एक्ट्रेस ने कहा था, अक्षय धोखे से लड़कियों से सगाई कर लेते थे और मंदिर ले जाकर शादी का वादा करते थे, लेकिन किसी और लड़की से मिलने के बाद वो अपने वादे भूल जाते थे और शादी के वादे से पलट जाते थे.

कौन है बिमल पारेख? जो बॉलीवुड सितारों के एक-एक पैसे का रखता है हिसाब

फिल्मों का 'राजा' कौन ? इस सवाल के जवाब के लिए लोग बॉक्स ऑफिस कलेक्शन देखते हैं. रियल लाइफ और कमाई में चड्ढा कौन ? इसके जवाब के लिए स्टारडम और कुल संपत्ति देखी जाती है. हर साल एक्टर्स करोड़ों की कमाई करते हैं. बात जब सुपरस्टार आमिर खान की हो, तो सोचा है कि वो पैसे कमाते तो हैं. पर इसे संभालने की जिम्मेदारी किसके हाथ है ? खुद उनके, बच्चों के या फिर एक्स पत्नी और गर्लफ्रेंड्स सबका सीधा जवाब है- इनमें से कोई भी नहीं. यह जिम्मा खुद उन्होंने बिमल पारेख को सौंपा हुआ है. आखिर कौन है ये शख्स ? जिसके लिए आमिर खान ने कहा कि- वो मुझे एक पल में कंगाल कर सकता है.

आमिर खान ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान बिमल पारेख का जिक्र किया था. जिसे मजाक में अपनी सौतेली मां बताते हुए भी दिखाई दिए थे. सुपरस्टार का कहना था कि शुरुआत से ही उनका पूरा ध्यान क्रिएटिविटी पर रहा है. पैसों में कभी कोई दिलचस्पी नहीं रही. उनके पूरे पैसों की जिम्मेदारी बिमल पर है. यहां तक बोल गए थे कि वो मेरे पैसों का क्या करता है वो नहीं जानते. वो चाहे तो एक पल में उन्हें कंगाल कर सकता है और एक्टर उसे रोक नहीं पाएंगे. पर बिमल पारेख है कौन ? आइए बताते हैं.

कौन है बिमल पारेख ?

बिमल पारेख बॉलीवुड वालों के पसंदीदा चार्टेड अकाउंटेंट (CA) हैं. साथ ही फाइनेंशियल एडवाइजर भी हैं. सिर्फ आमिर खान ही नहीं, वो रणबीर कपूर, कटरीना कैफ, जूही चावला से लेकर कपिल शर्मा तक के सीए हैं. साथ ही कई प्रोडक्शन हाउसेज को फाइनेंशियल गाइडेंस दे चुके हैं. जिसमें फरहान अख्तर-रितेश सिधवानी का E&cel Entertainment, जोया अख्तर-रीमा का टाइगर बेबी, भंसाली और आशुतोष गोवारिकर का प्रोडक्शन हाउस शामिल है.

हाल ही में द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से बिमल पारेख ने खास बात की. साथ ही कहा कि, वो खुद को पावरफुल नहीं मानते. मैं चार्टेड अकाउंटेंट बना, क्योंकि मेरे पिता भी थे. आप की असली पावर उन लोगों से आती है, जिनके साथ आप काम करते हैं. इस दौरान बिमल पारेख ने बताया कि फिल्म में काम कर रहे लोग पैसे नहीं देते. लेकिन इतने सालों में एक भी क्लाइंट को डिफॉल्ट नहीं किया गया है.

'मैं उसकी मीठी-मीठी बातों में फंस गई...' 17 साल की उम्र में टूटा था

प्रियंका चोपड़ा

का दिल

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक में नाम कमा चुकीं ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने अपनी फिल्मों और एक्टिंग के साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ से भी खूब सुर्खियां बटोरी हैं. प्रियंका के कई अफेयर रहे हैं. शाहिद कपूर, शाहरुख खान और अक्षय कुमार संग उनके अफेयर की खबरें आईं. बाद में उन्होंने अमेरिकी सिंगर निक जोनस से शादी कर ली और अब वो एक हैप्पी लाइफ एन्जॉय कर रही हैं.

प्रियंका के कई अफेयर के बारे में लोगों को पता है. हालांकि क्या आपको ये पता है कि उनका पहला ब्रेकअप कब हुआ था ? जब वो मिस वर्ल्ड बनने वाली थीं और उससे पहले मिस इंडिया रनरअप थीं, ये उससे ठीक पहले की बात है. 17 साल की उम्र में प्रियंका को प्यार में धोखा मिला था. एक लड़के ने उनका दिल तोड़ दिया था और एक्ट्रेस ने अपने एक्स को लेकर कहा था कि मैं उसकी मीठी-मीठी बातों में फंस गई थी.

17 की उम्र में मिला प्यार में धोखा

प्रियंका चोपड़ा का जन्म 18 जुलाई 1982 को झारखंड के जमशेदपुर में हुआ था. प्रियंका ने दिग्गज एक्ट्रेस सिमी ग्रेवाल के शो 'Rendezvous With Simi Garewal' में अपने पहले रिश्ते को लेकर बात की थी. उन्होंने कहा था, मुझे बहुत गहरा धक्का लगा था. जब दिल टूटा, तब मैं बहुत छोटी थी. मुझे लगता है कि मैं उस वक्त 17 साल की थी.

मीठी मीठी बातों में फंस गई'

सिमी ग्रेवाल से बातचीत करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने आगे कहा था, मैं सदमे में थी और ये समझने के लिए बहुत छोटी थी कि आखिर मैं कर क्या रही हूं ? उस दौरान बस आपको ये पता होता है कि ये सही नहीं है.

मैं उसकी मीठी-मीठी बातों में फंस गई थी. मेरी कजिन्स मुझसे हमेशा कहती थी कि तुम ऐसा कैसे कर सकती हो, वो तुम्हारे लायक नहीं है. मुझे भी लगता था कि वो सही कह रही हैं.

2018 में निक जोनस से की शादी

प्रियंका ने साल 2018 में खुद से दस साल छोटे सिंगर निक जोनस से शादी की थी. इसके बाद एक्ट्रेस अमेरिका सेटल हो गईं. अब दोनों एक बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस के पैरेंट्स हैं. मालती का जन्म जनवरी 2022 में सरोगेसी के जरिए हुआ था.

गाजा प्रस्ताव पर भारत की गैरमौजूदगी शर्मनाक: कांग्रेस

भारत ने हमेशा फलस्तीन का पक्ष लिया, लेकिन इस शानदार विरासत को मलबे में बदल दिया गया

'शानदार विरासत मलबे का ढेर बनी'

नई दिल्ली

कांग्रेस ने शनिवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में गाजा में युद्धविराम के लिए पेश प्रस्ताव पर मतदान से भारत की गैरमौजूदगी शर्मनाक है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि भारत ने हमेशा फलस्तीन का पक्ष लिया, लेकिन इस शानदार विरासत को मलबे में बदल दिया गया है।

'यह मानवीय त्रासदी'

कांग्रेस ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि 'यह बेहद शर्मनाक है कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में गाजा में युद्धविराम प्रस्ताव पर मतदान से दूरी बनाई। भारत हमेशा से शांति, न्याय और इंसानी अस्मिता का समर्थक रहा है। फलस्तीन में 60 हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं और इनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। हजारों लोग भूख से मर रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय मदद भी रोक दी गई है। यह मानवीय त्रासदी है। भारत ने हमेशा फलस्तीन का समर्थन किया है और यह सिद्धांतों की बात है न कि रणनीति की,

लेकिन आज शानदार विरासत को मलबे में बदल दिया गया है।'

'गाजा की पूरी आबादी को भूख से मरने के लिए छोड़ दिया गया है'

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी गाजा में युद्धविराम के प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहने पर भारत सरकार की आलोचना की। सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में प्रियंका गांधी वाड्रा ने लिखा कि भारत सरकार ने तब स्टैंड लेने से इनकार कर दिया, जब गाजा में 60 हजार लोग मारे जा चुके हैं और गाजा की पूरी आबादी को बंद करके रखा गया है।

और उन्हें भूख से मरने के लिए छोड़ दिया गया है। प्रियंका गांधी ने लिखा कि ये शर्मनाक है कि हमारी सरकार न सिर्फ गाजा के मुद्दे पर चुप है बल्कि इस्त्राइल सरकार के ईरान पर हमले की भी खुशी मना रही है, जबकि ईरान के पूरे नेतृत्व को मार दिया गया है। कांग्रेस महासचिव ने सवाल किया कि देश, संविधान के सिद्धांतों और आजादी के मूल्यों को कैसे छोड़ सकता है। आज दुनिया में भेदभाव बढ़ रहा है, हमें मानवता के लिए आवाज उठानी चाहिए और सच्चाई और अहिंसा के साथ पूरी निडरता के साथ खड़े होना चाहिए।

प्रियंका गांधी ने कहा कि गाजा में भूख से मरने के लिए छोड़ दिया गया है। प्रियंका गांधी ने लिखा कि ये शर्मनाक है कि हमारी सरकार न सिर्फ गाजा के मुद्दे पर चुप है बल्कि इस्त्राइल सरकार के ईरान पर हमले की भी खुशी मना रही है, जबकि ईरान के पूरे नेतृत्व को मार दिया गया है। कांग्रेस महासचिव ने सवाल किया कि देश, संविधान के सिद्धांतों और आजादी के मूल्यों को कैसे छोड़ सकता है। आज दुनिया में भेदभाव बढ़ रहा है, हमें मानवता के लिए आवाज उठानी चाहिए और सच्चाई और अहिंसा के साथ पूरी निडरता के साथ खड़े होना चाहिए।

विदेश नीति पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, खरगे ने पूछा- क्या हमने नैतिक कूटनीति छोड़ दी

नई दिल्ली

कांग्रेस ने गाजा संघर्ष पर संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में प्रस्ताव से भारत के दूरी बनाए रखने को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में खरगे ने पूछा कि क्या भारत ने अपने लंबे समय से चले आ रहे नैतिक और गुटनिरपेक्ष कूटनीति के सिद्धांतों को त्याग दिया है उनका कहना है कि भारत हमेशा शांति, संवाद और न्याय का पक्षधर रहा है और पश्चिम एशिया में यही नीति उसकी पहचान रही है। उन्होंने यह भी कहा, ह्न60

संयुक्त राष्ट्र महासभा में 149 देशों ने गाजा में संघर्षविराम के समर्थन में मतदान किया, जबकि भारत उन 19 देशों में शामिल था

हजार से अधिक लोगों की मौत के बीच भारत का मूकदर्शक बने रहना न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह उस नैतिक दायित्व से भी विमुख है जिसे भारत ने दशकों से निभाया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में 149 देशों ने गाजा में संघर्षविराम के समर्थन में मतदान किया, जबकि भारत उन 19 देशों में शामिल था जिन्होंने मतदान से परहेज किया। खरगे के अनुसार, यह कदम भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग कर देता है। उन्होंने याद दिलाया कि 8 अक्टूबर 2023 को कांग्रेस ने इजराइल पर हमास के हमलों की कड़ी निंदा की थी। साथ ही, पार्टी ने 19 अक्टूबर को गाजा में तुरंत संघर्षविराम और मानवीय सहायता की मांग की थी।

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के सचिव ने मार्सिले में सीएमए सीजीएम नेतृत्व से मुलाकात की

नई दिल्ली

भारत के बढ़ते समुद्री क्षेत्र को प्रदर्शित करते हुए बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) के सचिव टीके रामचंद्रन ने फ्रांस के मार्सिले में सीएमए सीजीएम के वैश्विक मुख्यालय का दौरा किया। मंत्रालय के अनुसार यह दौरा इस साल फरवरी में फ्रांस के अपने आधिकारिक दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सीएमए सीजीएम के साथ ऐतिहासिक बातचीत के सिलसिले में हुआ। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि इस यात्रा के दौरान सचिव टीके रामचंद्रन ने सीएमए सीजीएम समूह के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। रामचंद्रन ने उनको नौवहन, जहाज निर्माण, कंटेनर टर्मिनल, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स और समुद्री औद्योगिक क्षमताओं में भारत में कंपनी की बढ़ती उपस्थिति और संचालन के बारे में जानकारी दी गई। सीएमए सीजीएम नेतृत्व ने फरवरी से अबतक अपनी भारत रणनीति के तहत पांच प्रमुख स्तंभों, भारतीय ध्वज वाले बेड़े का विस्तार, जहाज निर्माण सहयोग, अंतर्देशीय रसद विकास, समुद्री औद्योगिक निवेश और नवाचार में हुई प्रगति के बारे में बताया। मंत्रालय ने बताया कि अपनी नौवहन पहलों के भाग के रूप में सीएमए सीजीएम ने अपने पहले भारतीय ध्वज वाले जहाजों सीसी विटोरिया और सीसी मनौस को हरी झंडी दिखाई है। इसके साथ ही गुजरात के गिफ्ट सिटी में एक नई भारतीय नौवहन इकाई की स्थापना की है। इसके अलावा जहाज निर्माण में समूह एलएनजी-संचालित कंटेनर जहाजों के लिए भारतीय जहाज निर्माण संस्थाओं के साथ आगे चर्चा कर रहा है, जबकि प्रमुख बंदरगाह और अंतर्देशीय बुनियादी ढांचे में निवेश प्रगति पर है, जिसमें न्हावा शेवा फ्रीपोर्ट टर्मिनल के विस्तार के लिए 200 मिलियन डॉलर और वधावन पोर्ट परियोजना में भागीदारी शामिल है।

उल्लेखनीय है कि सीएमए सीजीएम वर्तमान में भारत में 2,200 से अधिक डिजिटल पेशेवरों को रोजगार दे रहा है। इसके साथ ही प्रमुख भारतीय शहरों में समुद्री अनुसंधान एवं विकास और नवाचार केंद्रों की स्थापना की संभावना तलाश रहा है।

बीएसएनएल के बाद अब एमटीएनएल पर फोकस की तैयारी

नई दिल्ली

महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड की हालत खस्त चल रही है। लगातार कंपनी पर कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। इसे लेकर संचार राज्य मंत्री डॉ. चन्द्रशेखर पम्मसानी का कहना है कि,सरकार टेलीकॉम कंपनी एमटीएनएल को फिर से मजबूत करने के प्रयास कर रही है। अधिकारियों की एक समिति समस्याओं को पहचान कर समाधान करने में जुटी हुई है। दरअसल,एमटीएनएल पर अभी के समय 33,500 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज है। इसमें बैंक लोन, सॉवरेन गारंटीड बॉन्ड और टेलीकॉम डिपार्टमेंट से उधारी शामिल है। इसमें से लगभग 8,300 करोड़ रुपये पब्लिक सेक्टर बैंक को चुकाने हैं। जिसमें से ज्यादातर बैंकों ने डिफॉल्टर की कैटेगरी में डाल दिया है। इनमें इंडियन ओवरसीज बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक जैसे लिस्टेड बैंक शामिल हैं। राज्यमंत्री का कहना है कि,वित्तीय दबाव को कम करने के लिए गैर व्यावसायिक संपत्ति को बेचने पर फोकस किया जा रहा है। सरकार ने इसके लिए दो साल की समय सीमा को भी घटाकर सिर्फ 6 से 8 महीने कर दिया है। साथ ही जो संपत्ति 100 करोड़ रुपये से ज्यादा के हैं उनके लिए नेशनल लैंड मॉनिटाइजेशन कॉर्पोरेशन की मदद ली जा रही है।

केंद्रीय संचार मंत्री सिंधिया और मैं एसेट्स मोनेटाइजेशन के प्रोसेस को बारीकी से निगरानी कर रहे है।

गुणों की पहचान बिना मिट्टी का घड़ा भी नहीं मिलता भगवान कैसे मिलेंगे

दिव्य दिल्ली : जिनकी पावन पूत लेखनी से सृजित अनेकानेक पद्यात्मक मौलिक रचनाएं समाज एवं राष्ट्र के लिए मार्गदर्शक बनी हुयीं हैं ऐसे आदर्श महाकवि भावलिंगी संत आचार्य भगवन श्री 108 विमर्ष सागर जी महामुनिराज ने देशभक्ति से ओतप्रोत देश और धर्म के लिए जिओ रचना लिखी, जिसे मध्यप्रदेश शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है। पूज्य श्री की अद्भुत रचना एक सुखद अनुभूतियों का अहसास- माँ शीर्षक से कक्षा-8 की मध्यप्रदेश शिक्षा बोर्ड में शामिल

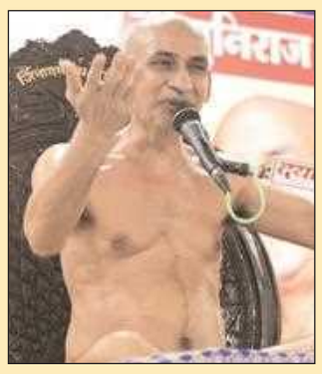

की गयी है, जो आज युवा पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक बन रही है। बेला में पूज्य आचार्य प्रवर ने धर्मनगरी खतौली के सभी दिगंबर जैन मंदिरों की अपने चतुर्विध संघ के साथ पदविहार करते हुए बन्दना की। पुनः जिनमंदिर में आकर आचार्य प्रवर ने उपस्थित धर्म सभा कोसम्बोधित करते हुए कहा भगवन के गुण गायेंगे, भगवन सम बन जायेंगे। राग द्वेष रहित अहा, शुद्ध आत्मा पाएंगे गुण का पूजक ही हो-हो गुणवान कहाये रे जीवन है पानी की बूंद, कब मिट् जाए रे गुणों की पहिचान होते ही हमें उन गुणों से समन्वित द्रव्य पदार्थ की पहचान हो जाती है और गुणों की प्राप्ति होते ही उन गुणों से परिपूर्ण द्रव्य की भी प्राप्ति हो जाती है। आप तरबूज खरीदने बाजार जाते हो तो सर्वप्रथम उसमें चाक लगाकर देखते हो कि यह तरबूज कहीं अंदर से खराब तो नहीं है, आप एक मिट्टी का घड़ा लेने जाते हैं तो ठीक बजाकर उसकी जांच करते हैं कि यह कहीं अंदर से फूटा तो नहीं है 'जरा विचार कीजिए कि कुछ नाचीज तरबूज अथवा घड़े को आप बिना गुणवत्ता के ग्रहण नहीं करते किन्तु हमारी सबसे बड़ी खोज जो भगवान की खोज है उसमें बिना विचार के ही मात्र भगवान संज्ञा अर्थात किसी ने कह दिया कि यह भगवान है, आप उसे ही अपना भगवान मान बैठते हैं।

जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से सौजन्य भेंट एवं संगठन को समर्पित योगदान पर चर्चा

दिव्य दिल्ली : आज हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला जी एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री के. सी. बांगड़ जी से सौजन्य मुलाकात की।इस अवसर पर दिल्ली के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री दिनेश डागर जी, राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश सहरावत जी, पूर्व कार्यालय सचिव प्रदीप शौकीन जी तथा पूर्व महासचिव जयवीर गांधी जी सहित हम सभी ने नेतृत्व को धन्यवाद प्रकट किया। बैठक के दौरान पार्टी की नीतियों, भावी योजनाओं एवं संगठनात्मक मजबूती को लेकर सार्थक चर्चा हुई। जननायक जनता पार्टी को दिल्ली में और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने हेतु हम सब प्रतिबद्ध हैं।साथ ही, यह उल्लेख करना गर्व की बात है कि श्री दिनेश डागर जी का पार्टी और संगठन निर्माण में उल्लेखनीय योगदान रहा है 1998 में युवा दिल्ली इकाई के युवा अध्यक्ष नियुक्त हुए। 2000 में पार्टी के प्रवक्ता एवं महासचिव रहे। 2003 में कठरड के संस्थापक सदस्य के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई। 2006 से 2013 तक दिल्ली कठरड प्रभारी रहे।

जननायक जनता पार्टी बनने पर जननायक सेवा दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, हरि चुनरी चौपाल, राज्य स्तरीय रैलियों और राष्ट्रीय आयोजनों में उन्होंने कुशल व्यवस्थापक की भूमिका निभाई। उनकी संगठनात्मक प्रतिबद्धता और अनुभव पार्टी के लिए एक मजबूत आधार हैं।

मणिपुर: कई घाटी जिलों में 328 हथियार बरामद

इंफाल

मणिपुर में हिंसा पर काबू पाने और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए चलाए गए एक बड़े अभियान में सुरक्षा बलों ने 328 हथियार बरामद किए हैं। यह तलाशी अभियान मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल सेना और असम राइफल्स की संयुक्त टीमों ने घाटी के पांच जिलों में चलाया। मणिपुर पुलिस के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ल्हारी दोरजी ल्हातू ने बताया कि यह अभियान 13 और 14 जून की रात को शुरू किया गया था। उन्होंने बताया, संवेदनशील पांच घाटी

जिलों के बाहरी क्षेत्रों में खुफिया जानकारी के आधार पर यह अभियान चलाया गया था। अभियान के दौरान 151 एसएलआर राइफल, 65 इनसास राइफल, 73 अन्य प्रकार की राइफलें, 5 कार्बाइन गन, 2 एमपी-5 गन समेत भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक और युद्धक सामग्री बरामद की गई। उन्होंने इसे शांति बहाली की दिशा में एक "महत्वपूर्ण सफलता" करार दिया और कहा कि इससे राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इससे पहले, भारतीय सेना और असम राइफल्स ने 'स्पीयर कॉर्प्स' के तहत मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी के साथ मिलकर 26 मई से 5 जून के बीच कांगपोकपी, थौबल, ककचिंग, तेंगनौपाल, बिष्णुपुर, जिरीबाम, इंफाल ईस्ट और इंफाल वेस्ट जिलों में भी खुफिया सूचनाओं पर आधारित अभियान चलाया था।

नीलांबुर उपचुनाव: भाजपा बोली- तुष्टीकरण के लिए माकपा और कांग्रेस एक-दूसरे से कर रहीं प्रतिस्पर्धा

नई दिल्ली

केरल के नीलांबुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और माकपा पर निशाना साधते हुए इस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव अनिल के एंटनी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस और माकपा इंडी गठबंधन में हैं। केरल में वे भाजपा को दूर रखने के लिए एक दिखावटी लड़ाई में हैं। माकपा और कांग्रेस तुष्टीकरण के लिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। अनिल ने एक्स पोस्ट में कहा कि नीलांबुर विधानसभा सीट वायनाड लोकसभा सीट के अंतर्गत आती है। प्रियंका गांधी वहां से सांसद हैं। कांग्रेस अब खुलेआम वेलफेयर पार्टी का समर्थन ले रही है। यह वेलफेयर पार्टी जमात-ए-इस्लामी की राजनीतिक शाखा है, जो एक वैश्विक और इस्लामी संगठन है।

सोशल एंड एजुकेशनल वेलफेयर एसोसिएशन ट्रस्ट ने लगाया छबील

दिव्य दिल्ली : भीषण गर्मी में राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से सोशल एंड एजुकेशनल वेलफेयर एसोसिएशन ट्रस्ट खतौली द्वारा डॉक्टर अमीर आजम कुरैशी के क्लिनिक के सामने जी.टी. रोड़ खतौली पर ठंडे मीठे शरबत की छबील लगाई गई। इस सामाजिक कार्य में ट्रस्ट के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और राहगीरों को ठंडा मीठा शरबत पिलाकर सेवा भाव और भाईचारे का संदेश दिया। छबील के आयोजन में ट्रस्ट के संरक्षक डॉ. नसीर अहमद खान अध्यक्ष ताहिर हसन सचिव अमीर अंजुम की अगुवाई में कोषाध्यक्ष मोहम्मद जीशान ट्रस्टी

आदिल मोहसिन समेत अनेक समाजसेवियों ने भाग लिया। सभी ने आने-जाने वाले लोगों को शरबत पिलाकर समाजसेवा की मिसाल पेश की।

इस अवसर पर ट्रस्ट के सचिव अमीर अंजुम ने बताया कि सोशल एंड एजूकेशनल वेलफेयर एसोसिएशन समय-समय पर जनसेवा के ऐसे कार्य करता रहा है और आगे भी करता रहेगा।

उन्होंने कहा कि चिलचिलाती धूप और तेज गर्मी में ठंडे मीठे शरबत की छबील लगाना एक छोटा सा प्रयास है जिससे राहगीरों को कुछ राहत मिल सके।

ट्रस्ट के सदस्यों ने भी इस पहल में बढ़-चढ़कर योगदान दिया और लोगों से अपील की कि वे भी इस प्रकार के जनकल्याण कार्यों में हिस्सा लें। सोशल एंड एजूकेशनल वेलफेयर एसोसिएशन की इस सेवा भावना की राहगीरों व स्थानीय जनता ने सराहना की और कहा कि इस प्रकार की पहलें समाज में सकारात्मक संदेश देती हैं। समाजसेवा के इस कार्य में मास्टर अब्दुल मालिक नदीम अंजुम आफाक पठान डा विषेश कुमार शान मोहम्मद रवि कुमार सारिम जमीर फुरकान टिपू सालिक अंसारी आदि लोग उपस्थित रहे।

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने चेन्नई में क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया

नई दिल्ली

भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग ने चेन्नई में "दक्षिणी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में उपभोक्ता संरक्षण" पर महत्वपूर्ण क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यक्रम का उद्देश्य उपभोक्ता शिकायत निवारण तंत्र को बढ़ाना और पूरे क्षेत्र में संस्थागत दक्षता में सुधार करना था। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि 13 जून को अयोजित इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता विभाग की सचिव निधि खरे ने उपभोक्ता मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए आधुनिक कानूनी ढांचे और डिजिटल उपकरणों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने उपभोक्ता शिकायतों से निपटने में उनके सराहनीय प्रदर्शन के लिए दक्षिणी राज्यों की प्रशंसा भी की। निधि खरे ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397